Mkd i:thdj.k l[;k j /RNP/01/2023-25

RNI NO. UPHIN/2009/27689

राष्ट्रीय निष्पक्ष, निर्भीक हिन्दी दैनिक

जन विचार प्रवाह

वर्ष : 18 अंक :247 (हिन्दी दैनिक) जौनपुर शुक्रवार 25 सितम्बर, 2026 पृष्ठ– 08 मूल्य– 2.00 रुपया

लखनऊ में बीजेपी दफ्तर में घुसे अभ्यर्थी

आरक्षण घोटाले का आरोप लगाकर जमीन पर लेटे

लखनऊ 24 सितम्बर (एजेंसी)उत्तर प्रदेश की 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती को लेकर अभ्यर्थियों का आंदोलन एक बार फिर तेज हो गया है। लखनऊ में करीब 50 अभ्यर्थी प्रदर्शन करते हुए भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदेश मुख्यालय परिसर में पहुंच गए। यहां उन्होंने जमीन पर लेटकर विरोध जताया और आरक्षण से जुड़ी विसंगतियों को दूर करने की मांग को लेकर नारेबाजी की। करीब आधे घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद पुलिस ने अभ्यर्थियों को कार्यालय परिसर से बाहर निकाला। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं। इन पर आरक्षण से जुड़े सवाल उठाए गए थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने सिर पर 'आरक्षण घोटाला' लिखी टोपी पहन रखी थी। बीजेपी कार्यालय परिसर में पहुंचने के बाद अभ्यर्थियों ने जमीन पर लेटकर विरोध शुरू कर दिया। इस दौरान वे लगातार नारे लगाते रहे और सीटी बजाकर भी अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के कारण कुछ देर के लिए पार्टी कार्यालय परिसर में अफरा–तफरी की स्थिति बनी रही। सुरक्षाकर्मियों और पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बाहर निकालने की कोशिश की। इसके बाद सभी अभ्यर्थियों को परिसर से बाहर किया गया। बताया गया कि प्रदर्शन में शामिल कई अभ्यर्थियों ने गले में बीजेपी के पटके पहन रखे थे। इसी के जरिए उनके पार्टी कार्यालय में प्रवेश करने की बात सामने आई है। कार्यालय के भीतर पहुंचने के बाद अन्य अभ्यर्थी भी वहां पहुंच गए और अचानक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने आरक्षण व्यवस्था से जुड़े मुद्दे को उठाते हुए सरकार से भर्ती विवाद का समाधान करने और पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की मांग की। आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों का आरोप है कि 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया में आरक्षण नियमों के क्रियान्वयन को लेकर कथित विसंगतियां हुईं। उनका कहना है कि इसके चलते कई ऐसे अभ्यर्थी चयन और नियुक्ति से वंचित रह गए, जिन्हें उनका दावा है कि आरक्षण के नियमों के तहत लाभ मिलना चाहिए था। अभ्यर्थी राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग से संबंधित आदेशों को लागू करने और आरक्षण विवाद का समाधान किए जाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि ओबीसी समेत अन्य आरक्षित वर्गों के अभ्यर्थियों को भर्ती प्रक्रिया में उनके अधिकार के अनुरूप लाभ नहीं मिला। अभ्यर्थियों का आंदोलन पिछले कुछ समय से लखनऊ के ईको गार्डन में चल रहा है। इससे पहले भी प्रदर्शनकारी अपनी मांगों को लेकर सरकार और बीजेपी के नेताओं तक पहुंचने की कोशिश कर चुके हैं। 17 सितंबर को आंदोलन के 17वें दिन अभ्यर्थियों ने रक्तदान किया था। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के नाम पत्र लिखकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की थी। इससे पहले 12 सितंबर को भी प्रदर्शनकारी उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास तक पहुंचे थे। वहां भी करीब आधे घंटे तक नारेबाजी हुई थी और पुलिस के साथ धक्का–मुक्की की स्थिति बनने की बात सामने आई थी।

पीएम मोदी ने बताई अपनी ताकत

बोले- लोगों का आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ऊर्जा

नई दिल्ली 24 सितम्बर (एजेंसी)प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि लोगों से मिलने वाला आशीर्वाद उनके सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी ऊर्जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी लोगों के इसी आशीर्वाद के सहारे आगे बढ़ी है। पीएम मोदी ने यह बात गुजरात के वडनगर से उत्तर प्रदेश के वाराणसी तक निकाली जा रही 'सेवा संकल्प यात्रा' में शामिल प्रतिभागियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद के दौरान कही। कार्यक्रम में यात्रा से जुड़े प्रतिभागी मध्य प्रदेश के देवास में मौजूद थे। यह संवाद ऐसे समय हुआ है जब चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर विपक्ष की ओर से लगातार राजनीतिक सवाल उठाए जा रहे हैं। दूसरी ओर, चुनाव आयोग ने 23 सितंबर को कहा था कि ैप्त समेत उसके फैसले पूर्ण आयोग के सर्वसम्मत निर्णय हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सेवा भाव से किए गए कामों को लोग लंबे समय तक याद रखते हैं और सेवा करने वालों को जनता का आशीर्वाद मिलता है। उन्होंने कहा कि उनके लिए भी लोगों का आशीर्वाद सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी ताकत रहा है। मोदी ने 'सेवा यात्रियों' से लोगों की सेवा को अपना मुख्य उद्देश्य बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सत्ता कितनी भी बड़ी क्यों न हो जाए, राजनीति और शासन का मूल भाव सेवा से जुड़ा रहना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात से दिल्ली तक सेवा उनकी शासन व्यवस्था और संस्कारों का मूल भाव रही है। उन्होंने 'नागरिक देवो भव' की भावना का उल्लेख करते हुए कहा कि जब शासन के केंद्र में सेवा होती है, तो नीतियों के केंद्र में नागरिक होते हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक पद या सत्ता का स्तर चाहे जितना ऊंचा हो, सेवा के रास्ते से विचलित नहीं होना चाहिए। 'सेवा संकल्प' से जुड़े कार्यक्रमों में भी सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण पर जोर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राजनीति अपनी जगह है, चुनाव अपनी जगह और शासन व्यवस्था अपनी जगह, लेकिन उनका लक्ष्य राष्ट्र निर्माण है। उन्होंने युवाओं की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए कहा कि 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति की बड़ी भूमिका होगी।

सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग, काजपा ने दी राष्ट्रव्यापी आंदोलन की चेतावनी

नई दिल्ली 24 सितम्बर (एजेंसी)कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) ने बृहस्पतिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए उनपर ''मतदाताओं के अधिकारों को कमजोर करने'' का आरोप लगाया और चेतावनी दी कि अगर वह 48 घंटे के भीतर पद से नहीं हटते हैं तो ''जंतर–मंतर 2.0'' समेत राष्ट्रव्यापी आंदोलन किया जाएगा। कॉजपा के संस्थापक अभिजीत दीपके ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि चुनावी प्रक्रिया में ''धांधली'' की गई है और नागरिकों से मतदान का अधिकार छीना जा रहा है। दीपके ने कहा, ''यदि ज्ञानेश कुमार 48 घंटे के भीतर इस्तीफा नहीं देते हैं, तो हम दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करने से पहले एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे।'' उन्होंने यह भी कहा कि यदि सीईसी इस्तीफा नहीं देते हैं, तो 'जंतर–मंतर 2.0' निश्चित रूप से होगा।'' उन्होंने यह भी कहा कि अगर विपक्षी दलों को लगता है कि चुनावों में धांधली हो रही है तो उन्हें चुनावों में भाग नहीं लेना चाहिए। दीपके ने कहा, ''अगर आपको पता है कि चुनावों में धांधली हो रही है तो आप इसमें भाग नहीं ले सकते हैं। आपको अपना रुख तय करना होगा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार भारतीय लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग पर यह तय करने का आरोप लगाया कि किसे मतदान करने की अनुमति दी जाएगी।

भारतीय ज्ञान परम्परा को वर्तमान से जोड़कर लोकमंगल के लिए आगे बढ़ाना होगा: योगी

लखनऊ 24 सितम्बर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा अत्यंत समृद्ध रही है। इसे संरक्षित करने, इसका अध्ययन करने और वर्तमान पीढ़ी को इससे परिचित कराने की आवश्यकता है। अपनी जड़ों की ओर लौटकर परम्परा को वर्तमान से जोड़ते हुए भारत की ज्ञान–धरोहर को लोकमंगल की भावना के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री गोरखपुर स्थित श्री गोरखनाथ मंदिर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ की 57वीं तथा ब्रह्मलीन महन्त अवैद्यनाथ की 12वीं पुण्यतिथि पर आयोजित साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह–2026 में 'भारतीय ज्ञान परम्परा का वर्तमान परिप्रेक्ष्य' विषयक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री ने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की पंक्तियों 'हम क्या थे, क्या हो गए हैं और क्या होंगे अभी, आओ मिलकर सोचें ये समस्याएं सभी' का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के विद्वानों ने सदैव अपने अतीत, वर्तमान और भविष्य को लेकर चिंतन किया है। इसी चिंतन की परम्परा में भारतीय ऋषियों ने ज्ञान की धरोहर को विभिन्न माध्यमों से संरक्षित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक समय से जोड़ने पर आज भी बहुत कुछ प्राप्त किया जा सकता है और भारत लोकमंगल की भावना के साथ दुनिया को बहुत कुछ दे सकता है।उन्होंने कहा कि इस दिशा में सत्य और प्रमाण का विशेष महत्व है। हम जो भी कहें, उसे प्रमाणित करके कहें, तभी वह सत्य की कसौटी पर खरा उतरेगा। सत्य के विपरीत विचार रखने वाले और दुष्प्रचार करने वाले लोग भी हमेशा रहे हैं। एक पक्ष सत्य का, दूसरा असत्य का और तीसरा संशय उत्पन्न करने वाला हो सकता है। ऐसे में प्रमाण के आधार पर संशय को दूर करने के लिए स्वयं को तैयार करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की तकनीक इस कार्य में महत्वपूर्ण सहायता कर सकती है। तकनीक से भागने के बजाय उसे अपने अनुरूप और समयानुकूल बनाने की दिशा में प्रयास करना होगा। भारतीय ज्ञान परम्परा के संरक्षण, शोध और व्यापक प्रसार के लिए अभियान चलाने की आवश्यकता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा को वैश्विक स्तर पर भी मान्यता मिल रही है। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की परम्परागत चिकित्सा पद्धतियों को आयुष मंत्रालय के माध्यम से संस्थागत पहचान मिली। आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी जैसी चिकित्सा पद्धतियों को आगे बढ़ाने का कार्य हुआ। भारत की योग परम्परा को भी वैश्विक स्तर पर मान्यता मिली और 21 जून को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है।उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परम्परा को कमजोर करने के प्रयास भी इतिहास में हुए। विदेशी आक्रान्ताओं ने केवल भारत के वैभव को लूटने का प्रयास नहीं किया, बल्कि उसकी बुद्धि और ज्ञान की परम्परा को कमजोर करने का भी प्रयास किया। रामायण के दण्डकारण्य प्रसंग का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम जब दण्डकारण्य में प्रवेश करते हैं तो ऋषि–मुनियों के उजड़े आश्रम और वहां बिखरी हड्डियां देखते हैं। ऋषियों ने बताया कि राक्षसी शक्तियां आश्रमों में घुसकर उन्हें उजाड़ती थीं और विरोध करने वाले ऋषि कुमारों की हत्या कर देती थीं। इसके बाद भगवान श्रीराम ने उन शक्तियों के नाश का संकल्प लिया और दण्डकारण्य में आगे बढ़ते हुए पंचवटी को अपना केन्द्र बनाया।मुख्यमंत्री ने सोमनाथ मंदिर पर महमूद गजनवी के आक्रमण का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत पर आक्रमण करने वाली शक्तियों का उद्देश्य केवल यहां के वैभव को लूटना नहीं था, बल्कि भारत की बुद्धि और ज्ञान की धरोहर को भी कमजोर करना था। उन्होंने कहा कि मंदिरों को तोड़े जाने के पीछे भी यही उद्देश्य दिखाई देता है। ब्रिटिश काल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उस दौर में भी अलग तरीके से भारतीय परम्पराओं को कमजोर करने का प्रयास हुआ। संस्कृत की श्रेष्ठता के स्थान पर अंग्रेजी को श्रेष्ठ बताने तथा परम्परागत चिकित्सा पद्धतियों और आयुर्वेद के स्थान पर आधुनिक चिकित्सा को स्थापित करने का प्रयास किया गया। भारतीय परम्पराओं पर दूसरे नाम और लेबल लगाए गए, जिसके परिणामस्वरूप समाज धीरे–धीरे अपनी परम्परा, मूल्यों और जड़ों से कटता गया।

जमशेदपुर में भीषण सड़क हादसा, मंत्री दीपिका पाडेय की बेटी समेत 4 की मौत

जमशेदपुर 24 सितम्बर (एजेंसी)झारखंड के जमशेदपुर में गुरुवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की बेटी तृषा सिंह भी शामिल हैं। बताया गया है कि तृषा अपने तीन दोस्तों के साथ कार से कहीं जा रही थीं। इसी दौरान सोनारी थाना क्षेत्र में यह दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार ट्रेलर के पिछले हिस्से में बुरी तरह फंस गई। राहत और बचाव दल ने गैस कटर की मदद से कार को काटकर शवों को बाहर निकाला। हादसे के बाद मौके पर काफी देर तक अफरा–तफरी का माहौल बना रहा। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे पर एक ट्रेलर ब्रेकडाउन होने के बाद खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आ रही कार अनियंत्रित होकर सीधे ट्रेलर के अंदर जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में तृषा सिंह के अलावा उनके तीन दोस्त शामिल बताए गए हैं। तृषा एलएलआरआई की छात्रा थीं। हादसे के समय वह अपने दोस्तों के साथ कार में यात्रा कर रही थीं। पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। गैस कटर से कार को काटकर शव बाहर निकाले गए। हादसे की परिस्थितियों को लेकर पुलिस की ओर से जांच की जा रही है। हादसे की जानकारी सामने आने के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने मंत्री दीपिका पांडेय सिंह की बेटी और अन्य मृतकों के निधन को बेहद दुखद बताते हुए शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना जताई।मुख्यमंत्री ने कहा कि संतान को खोने का दुख किसी भी माता–पिता के लिए असहनीय होता है। उन्होंने दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति और परिजनों को इस कठिन समय को सहने की शक्ति मिलने की कामना की। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने भी हादसे पर दुख जताया। उन्होंने मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि संतान को खोने का दर्द शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति मिलने की प्रार्थना की।

नोएडा डीएम मेधा रूपम को बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि छात्रा आकृति चौधरी को एनएसए हिरासत मामले में मिली राहत पर कोई रोक नहीं है। इससे पहले शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाई थी, जिसमें गौतम बुद्ध नगर की डीएम मेधा रूपम और अन्य अधिकारियों को अपने वेतन से छात्रा को 5 लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया गया था।

नई दिल्ली 24 सितम्बर (एजेंसी)सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को गौतम बुद्ध नगर की जिला मजिस्ट्रेट मेधा रूपम से जुड़े मामले में अपने आदेश में बदलाव किया और साफ किया कि छात्रा आकृति चौधरी को उनकी हिरासत के मामले में मिली राहत पर कोई रोक नहीं है। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी थी जिसमें क्ड रूपम को अप्रैल में नोएडा में हुए मजदूरों के विरोध–प्रदर्शन के दौरान नेशनल सिक्योरिटी एक्ट (छै।) के तहत छात्रा को हिरासत में लेने के लिए अपनी सैलरी से 5 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया गया था। बुधवार को बेंच ने कहा कि मामले के गुण–दोष के आधार पर विचार होने तक, हाई कोर्ट के फैसले खासकर पैराग्राफ 27 से 33कृके अमल पर रोक लगी रहेगी। अदालत ने आदेश दिया, पक्षों के सीनियर वकीलोंकी दलीलें सुनने के बाद, अदालत का मानना घ्है कि जब तक मामले पर गुण–दोष के आधार पर सुनवाई नहीं हो जाती, तब तक विवादित फैसले खासकर पैराग्राफ 27 से 33कृके अमल पर रोक लगी रहेगी।यह मामला दिल्ली यूनिवर्सिटी से हिस्ट्री में ग्रेजुएट 25 साल की चौधरी से जुड़ा है जिन्हें अप्रैल में नोएडा में हुए वर्कर्स के प्रोटेस्ट के सिलसिले में छै। के तहत हिरासत में लिया गया था। उन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट में अपनी हिरासत को चुनौती दी थी। 2 सितंबर को हाई कोर्ट ने उनकी श्हेबियस कॉर्पसश (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिका को मंजूरी दे दी और नजरबंदी के आदेश को रद्द कर दिया। साथ ही, यह निर्देश भी दिया कि अगर किसी दूसरे मामले में उनकी जरूरत न हो, तो उन्हें रिहा कर दिया जाए। हाई कोर्ट ने चौधरी को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि यह रकम रूपम (जिन्होंने नजरबंदी का आदेश जारी किया था) और इस प्रक्रिया में शामिल अन्य अधिकारियों की सैलरी से वसूली जाए। कोर्ट ने अधिकारियों के कामकाज पर कड़ी टिप्पणी की और निर्देश दिया कि डॉसियर तैयार करने में शामिल जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों के प्रति अपनी नाराजगी को उनके सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए। हाई कोर्ट ने हिरासत का आधार बनी राज्य की कहानी को मनगढ़ंत बताया और गलत रास्ते पर चल रही नौकरशाही के लगातार ष्तानाशाहीष् वाले व्यवहार के खिलाफ चेतावनी दी। कोर्ट ने कहा कि इससे उत्तर प्रदेश एक ऑर्वेलियन डिस्टोपिया (एक ऐसी दमनकारी जगह जहाँ सरकार का पूरा नियंत्रण हो) में बदल सकता है।इसमें यह भी कहा गया था कि नौकरशाहों को यह याद रखना चाहिए कि उनकी ष्वफादारी संविधान के प्रति है, न कि राजनीतिक कार्यपालिका के प्रतिष् और सरकारी अधिकारी जनता की सेवा करते हैं,

भाजपा ने 24 संगठन मंत्रियों को राज्यों की जिम्मेदारी सौंपी, पवन राणा को दिल्ली-हरियाणा और धर्मपाल को यूपी का प्रभार

नयी दिल्ली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को बड़ा संगठनात्मक फेरबदल करते हुए देशभर के विभिन्न राज्यों और संगठनात्मक इकाइयों के लिए 24 संगठन मंत्रियों एवं पदाधिकारियों की नई जिम्मेदारियों का ऐलान किया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की ओर से जारी सूची में कई राज्यों के प्रदेश प्रभारी, सह–प्रभारी और संगठनात्मक दायित्व तय किए गए हैं। नई नियुक्तियों के तहत पवन राणा को दिल्ली और हरियाणा की संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि धर्मपाल को उत्तर प्रदेश का संगठन मंत्री नियुक्त किया गया है। पार्टी ने शिवप्रकाश को राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) के रूप में आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गोवा की जिम्मेदारी दी है। वहीं सौदान सिंह को बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल का दायित्व सौंपा गया है। वी. सतीश को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा तथा संसदीय कार्यालय से जुड़े संगठनात्मक कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है। राजेंद्र को संगठन और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से जुड़े कार्यों का दायित्व सौंपा गया है। महाराष्ट्र में अजय जामवाल को प्रदेश महामंत्री (संगठन) बनाया गया है और उनका केंद्र मुंबई रहेगा। सतीश धोंड को महाराष्ट्र के साथ चार राज्यों में जनजातीय संपर्क का दायित्व दिया गया है।

सीईसी अकेले फैसले नहीं ले सकते, हिमंत बिस्वा सरमा बोले- चुनाव आयोग सामूहिक संस्था है

नई दिल्ली 24 सितम्बर (एजेंसी)गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने वोटर लिस्ट के श्स्पेशल इंटेंसिव रिविजनश ैप्त) को लेकर हो रहे विवादों के बीच मुख्य चुनाव आयुक्त (ब्ब्) ज्ञानेश कुमार का बचाव किया। उन्होंने कहा कि ब्ब् की आलोचना विपक्ष की हताशा को दिखाती है, और उन्होंने विपक्ष को दिमागी नक्सली करार दिया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरमा ने जोर देकर कहा कि चुनाव आयोग के फैसले सामूहिक रूप से लिए जाते हैं और ब्ब् अन्य चुनाव आयुक्तों की भागीदारी के बिना अकेले कोई फैसला नहीं ले सकते।हिमंत बिस्वा सरमा ने समझाया कि जब मुख्य चुनाव आयुक्त या अन्य चुनाव आयुक्त अल्पमत में हों, तो चुनाव आयोग कोई फैसला नहीं ले सकता। चुनाव आयोग के हर फैसले को बहुमत से पारित या लिया जाना चाहिए, क्योंकि यह एक सामूहिक संस्था है। उन्होंने आगे कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त (ब्ब्) को ऐसे व्यक्ति के तौर पर दिखाना जो एकतरफा फैसले लेते हैं उस संवैधानिक ढांचे के खिलाफ है जिसके तहत चुनाव आयोग काम करता है।सरमा ने कहा कि इसलिए, देश भर में यह संदेश देना कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने अकेले ही फैसले लिए हैं, संवैधानिक व्यवस्था के हिसाब से सही नहीं है। फैसले लेने से पहले चर्चा करना अलग बात है, लेकिन चुनाव आयोग का कोई भी फैसला आम सहमति या बहुमत की राय से ही लिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष का मुख्य चुनाव आयुक्त (ब्ब्) पर ध्यान केंद्रित करना एक तरह का राजनीतिक अभियान है।उन्होंने कहा कि इसीलिए मुख्य चुनाव आयुक्त को निशाना बनाना एक राजनीतिक अभियान है। मुझे नहीं लगता कि मुख्य चुनाव आयुक्त, दूसरे चुनाव आयुक्तों से सलाह लिए बिना कोई फैसला ले सकते हैं। इसलिए, मुख्य चुनाव आयुक्त को निशाना बनाना सिर्फ विपक्ष और 'दिमागी नक्सलियों' की हताशा को दिखाता है। ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी द्वारा 10 महीने की अवधि में मतदाता सूची प्रक्रियाओं और ैप्त से जुड़े मुद्दों पर कम से कम 14 बार औपचारिक रूप से आपत्ति जताने की खबरों के बाद राजनीतिक विवाद बढ़ गया है।

स्नातक MLC चुनाव-2026 को लेकर MCMC गठित, DM ने दिए निष्पक्ष निगरानी के निर्देश

उरई (जालौन)विधान परिषद स्नातक निर्वाचन–2026 के दृष्टिगत जिला निर्वाचन अधिकारीध्जिलाधिकारी समीर की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी (डब्डब्) की बैठक सम्पन्न हुई।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशों के अनुरूप इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट, सोशल मीडिया एवं इंटरनेट पर प्रसारित चुनावी सामग्री की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सतर्क निगरानी सुनिश्चित की जाए। राजनीतिक विज्ञापनों के पूर्व प्रमाणीकरण (प्री–सर्टिफिकेशन) का कड़ाई से अनुपालन हो।उन्होंने कहा कि पेड न्यूज के संदिग्ध प्रकरणों पर विशेष दृष्टि रखी जाए। प्रत्येक मामले का समयबद्ध परीक्षण, अभिलेखीकरण एवं भ्रामक या आचार संहिता के विपरीत सामग्री पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई की जाए।बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारीध्अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राजीव राज, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) शत्रुहन पाठक, उप जिलाधिकारी (न्यायिक) कालपी संजय कुमार, अपर जिला सूचना अधिकारी पंकज कुमार (सदस्य सचिव) एवं दूरदर्शन पत्रकार संजय कुमार गुप्ता (सदस्य) उपस्थित रहे।

डा. घनश्याम अनुरागी का बड़ा सदेश - बेटियों का सम्मान ही असली विकास, गल्ला मंडी में 714 शहनाइयों से गूंजा बुदेलखंड

उरई (जालौन) नवीन गल्ला मंडी, कालपी रोड उरई गुरुवार को दुल्हन की तरह सजी थी। फूलों की वर्षा, मंत्रोच्चार, शहनाइयों की गूंज और 714 जोड़ों के एक साथ लिए गए सात फेरों ने इतिहास रच दिया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का यह महाकुंभ केवल विवाह नहीं, सामाजिक क्रांति का उत्सव बन गया। डॉ. घनश्याम अनुरागी ने दिया सामाजिक समरसता का मंत्र कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण रहे जिला पंचायत अध्यक्ष प्रशासक डॉ. घनश्याम अनुरागी उन्होंने नवदंपतियों पर पुष्पवर्षा कर आशीर्वाद दिया। और कहा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीब के घर की बेटी के सम्मान का राजतिलक है। यह योजना बताती है कि सरकार सिर्फ वादे नहीं करती, गरीब की बेटी

का कन्यादान भी करती है। जब एक ही मंडप में हिंदू, मुस्लिम, सिख, सभी समुदायों की बेटियां विदा होती हैं, तो वहीं से असली भारत और सशक्त बुंदेलखंड बनता है।डॉ. अनुरागी ने कहा कि यह योजना शासन की कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। सामूहिक विवाह समारोह सामाजिक सद्भाव, समानता और आपसी भाईचारे का अमर संदेश हैं। जनप्रतिनिधियों ने कहा बेटी बोझ नहीं, सम्मान है।सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा बोले यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए संजीवनी है। सरकार बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए प्रतिबद्ध है। माधौगढ़ विधायक मूलचंद्र निरंजन ने कहा पहले गरीब पिता बेटी के विवाह की चिंता में घुल जाता था, आज योगी सरकार ने वह चिंता समाप्त कर दी है। एक परिसर में सभी परंपराओं का विवाह सामाजिक एकता की मिसाल है। कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा यह सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, सामाजिक समरसता का महायज्ञ है। जिलाधिकारी समीर ने बताया एक लाख की सहायता जिलाधिकारी समीर ने बताया कि योजना में पात्र कन्या के खाते में 64 हजार रुपये डीबीटी से, 21 हजार की विवाह सामग्री और 15 हजार आयोजन व्यय के रूप में कुल एक लाख रुपये की सहायता दी जाती है। सभी 714 नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। तड़क–भड़क और उल्लास का संगम पूरा गल्ला मंडी परिसर दुल्हन की तरह सजाया गया था। डीजे, बैंड, वरमाला, सिंदूरदान, निकाह – हर रस्म पूरे विधि–विधान से हुई। नवविवाहित जोड़ों के चेहरों पर मुस्कान और परिजनों की आंखों में खुशी के आंसू थे। इस भव्य अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, रिंकू सिंह राही आईएएस,अपर जिलाधिकारी न्यायिक शत्रुहन पाठक, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, निशांत पांडेय जिला विकास अधिकारी,जिला समाज कल्याण अधिकारी संजय श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और हजारों परिजन मौजूद रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में पौधरोपण कर विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस स्थित विधि संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस और सेवा संकल्प अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर राय के मार्गदर्शन और विधि संकाय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. वर्मा के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उत्साह के साथ फलदार और छायादार पौधे लगाए। इस दौरान लगाए गए पौधों के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प भी लिया गया।

नवागत जिलाधिकारी अशोक कुमार ने कलेक्ट्रेट में की पहली जनसुनवाई

जनसमस्याओं के समयबद्ध एवं स्थायी निस्तारण पर दिया जोर, अधिकारियों को दिए प्रभावी कार्रवाई के निर्देश

हमीरपुर। जिलाधिकारी अशोक कुमार ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय, हमीरपुर में जनसुनवाई की। इस दौरान जनपद के दूर–दराज क्षेत्रों से आए आगंतुकों एवं जनसामान्य की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, प्रभावी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसामान्य की समस्याओं का निस्तारण केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि समस्या का स्थायी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को एक ही समस्या के लिए बार–बार कलेक्ट्रेट अथवा किसी अन्य कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए तथा प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समय–सीमा में उसका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं को प्राथमिकता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना जाए तथा जिन समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर संभव है, उनका निस्तारण ब्लॉक एवं तहसील स्तर पर ही प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए। अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसामान्य को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से उच्च स्तर के कार्यालयों तक न आना पड़े। इसके लिए स्थानीय स्तर पर ही शिकायतों के प्रभावी निस्तारण की व्यवस्था को मजबूत किया जाए।जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने प्राप्त शिकायती पत्रों को संबंधित अधिकारियों को मार्क करते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से गूगल मीट के माध्यम से सीधे संवाद कर शिकायतों की स्थिति एवं उनके निस्तारण के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के संबंध मेंआवश्यक संदेश एवं दिशा–निर्देश प्रदान किए।जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और शिकायतकर्ता को समयबद्ध रूप से राहत उपलब्ध कराने के साथ ही निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि जनसामान्य को सुगम, संवेदनशील एवं प्रभावी प्रशासन उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत हिन्दुस्तान यूनिलीवर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

हमीरपुर। शासन के निर्देशों के अनुपालन में जिलाधिकारी के आदेशानुसार श्रम विभाग, हमीरपुर द्वारा संचालित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत गुरुवार को हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, फैक्ट्री एरिया, भरूआ सुमेरपुर में श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में स्वास्थ्य विभाग की चिकित्सकीय टीम द्वारा फैक्ट्री में कार्यरत श्रमिकों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान रक्तचाप, शुगर एवं बीएमआई सहित अन्य आवश्यक जांचें की गईं तथा चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श दिया गया। आवश्यकतानुसार श्रमिकों को निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया। साथ ही श्रमिकों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, स्वच्छता बनाए रखने, संतुलित आहार लेने तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया।

श्रम प्रवर्तन अधिकारी विजय पाल सोनकर ने बताया कि 'सेवा संकल्प अभियान' का उद्देश्य श्रमिकों को उनके कार्यस्थल पर ही स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा उन्हें स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ श्रमिक सुरक्षित एवं समृद्ध औद्योगिक विकास का आधार हैं।कार्यक्रम में प्रभारी श्रम प्रवर्तन अधिकारी दामोदर प्रसाद अग्रहरि, श्रम प्रवर्तन अधिकारी विजय पाल सोनकर, सहायक लेखाकार विवेक प्रकाश मिश्र, कम्प्यूटर ऑपरेटर सैयद मोहम्मद उबैदुल्ला तथा स्वास्थ्य विभाग से डॉ. हर्ष रंजन,महेन्द्र कुमार, प्रवीण कुमार एवं श्रीमती संध्या देवी सहित हिन्दुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे। श्रमिकों ने स्वास्थ्य शिविर के आयोजन को उपयोगी बताते हुए इसकी सराहना की।

जिला पंचायत सदस्य दुष्यंत सिंह परिहार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर उठाई हमीरपुर की समस्याएं

हमीरपुर स जनपद के ग्राम निवादा निवासी एवं जिला पंचायत सदस्य इंगोहटा दुष्यंत सिंह परिहार ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर जनपद की विभिन्न जनसमस्याओं से अवगत कराया।

मुलाकात के दौरान दुष्यंत सिंह परिहार ने जनपद में अतिवृष्टि के कारण किसानों की खराब हुई फसलों का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाए जाने की मांग की। इसके साथ ही उन्होंने किसानों एवं आम जनमानस को बिजली, पानी और खाद से जुड़ी समस्याओं के बारे में भी मुख्यमंत्री को जानकारी दी तथा इनके शीघ्र समाधान का आग्रह किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने दुष्यंत सिंह परिहार के निज निवास पर संचालित गौशाला की भी सराहना की। गौसेवा के प्रति उनके प्रयासों की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री ने इस कार्य को सराहनीय बताया।जिला पंचायत सदस्य दुष्यंत सिंह परिहार ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि जनपद की समस्याओं के समाधान से किसानों एवं आम नागरिकों को राहत मिलेगी।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर बस में जिंदा जले 9 यात्री, राठ के यात्री ने खोली लापरवाही की पोल

राठ,हमीरपुर स यमुना एक्सप्रेस–वे पर बुधवार रात जेवर एयरपोर्ट से करीब 500 मीटर दूर डबल डेकर स्लीपर एसी बस में भीषण आग लगने से नौ यात्रियों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में आठ पुरुष और एक महिला शामिल हैं। बस में करीब 35 यात्री सवार थे। हादसे में राठ के खुशीपुरा निवासी सुनील कुमार ने जेवर थाने में एफआईआर दर्ज कराकर बस चालक और परिचालक पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। सुनील के मुताबिक, वह 23 सितंबर की रात करीब साढ़े नौ बजे दिल्ली के कश्मीरी गेट से राज कल्पना ट्रैवल्स की बस संख्या बीआर 32 पीए 8647 से राठ आने के लिए सवार हुए थे। रात करीब साढ़े 11 बजे यमुना एक्सप्रेस–वे पर किलोमीटर 33 के पास बस में जलने की बदबू आने लगी। यात्रियों ने चालक और परिचालक को इसकी जानकारी दी, लेकिन आरोप है कि दोनों अनसुनी कर केबिन में सिगरेट पीते रहे। कुछ देर बाद चालक की सीट के पास आग की लपटें उठने लगीं। यात्रियों ने शोर मचाया और शीशे तोड़कर बाहर निकलने का प्रयास किया। इसके बाद बस रोकी गई। सुनील समेत कई यात्री कूदकर बाहर निकलने में सफल रहे, जबकि नौ यात्री बस के अंदर फंसकर जिंदा जल गए। सुनील ने बताया कि राठ कस्बा निवासी ऊषा गुप्ता नाम की महिला भी बस में सवार थी। हादसे के बाद से ऊषा गुप्ता के बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। दमकल की पांच गाड़ियों ने करीब 45 मिनट में आग पर काबू पाया। इसके बाद लगभग दो घंटे तक रेस्क्यू अभियान चला। शव बुरी तरह जल जाने के कारण मृतकों की पहचान नहीं हो सकी। चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप कुमार ने एसी में स्पार्किंग या ब्लास्ट से इंजन में आग लगने की आशंका जताई है। पुलिस के मुताबिक, बस मध्य प्रदेश की राज कल्पना ट्रैवल्स की है। बस के 19 चालान कटे थे, जिन पर 1.75 लाख रुपये का जुर्माना बकाया था। हादसे के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस ने मामले में बस के दो चालक पवन और विनोद तथा हेल्पर योगेश को गिरफ्तार किया है। हादसे में नौ यात्रियों की मौत के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस बस में आग लगने के कारणों और लापरवाही के आरोपों की जांच कर रही है।

टीकाकरण को जन-आंदोलन बनाने की पहल

बांदा। जनपद में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा हर पात्र बच्चे तक स्वास्थ्य सुरक्षा पहुंचाने के उद्देश्य से एक विशेष उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यूनिसेफ के सहयोग से आयोजित इस कार्यशाला में विभिन्न संप्रदायों के धार्मिक गुरुओं और सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।इस पहल का मुख्य उद्देश्य समुदाय में टीकाकरण को लेकर फैली भ्रांतियों और झिझक को दूर कर इसे एक व्यापक जन–आंदोलन का रूप देना है। कार्यशाला के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने नियमित टीकाकरण के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।ऐसे बच्चे जिन्हें जन्म के बाद से एक भी टीका नहीं लगा है, उनकी पहचान कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर प्रतिरक्षित करने पर बल दिया गया।टीकाकरण को लेकर समाज में फैली गलतफहमियों को दूर करने और परिवारों में भरोसा जगाने के तरीकों पर चर्चा की गई। आयोजन में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियोंऔर सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. विजय केसरवानी, और उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी मुकेश पहाड़ी समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी। यूनिसेफ व सहयोगी संस्थाओं से सुनील सक्सेना, रिजवान अली, प्रीति साहू आदि प्रतिनिधि।

कार्यशाला में मौजूद विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं से अपील की गई कि वे अपने–अपने समुदायों और परिवारों को बच्चों का समय से पूर्ण टीकाकरण कराने के लिए प्रेरित करें। अधिकारियों ने कहा कि धार्मिक व सामाजिक नेताओं की बात का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है, जिससे टीकाकरण के प्रति सकारात्मक माहौल तैयार करने में बड़ी मदद मिलेगी।

नाना साहब सही अर्थो में सत्तावनी समर के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे, डा.भवानीदीन

सुमेरपुर, हमीरपुर स देशभक्तों की देश के प्रति भूमिका के मद्देनजर वर्णिता संस्था के तत्वावधान में विमर्श विविधा के अन्तर्गत जिनका देश ऋणी है के तहत संस्था के अध्यक्ष डा भवानीदीन ने एक महान देशभक्त नाना साहब की पुण्यतिथि 24 सितम्बर तथा महान देश सेविका भीखा जी मेडम कामा की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि नाना साहब सही अर्थों में सत्तावनी समर के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे, इनका 19मई 1824 को जन्म हुआ था।इन्होंने रानी लक्ष्मीबाई तथा कुंवर साहब के साथ मिलकर गोरों से मुकाबला किया, उन्हें पराजित भी किया, संगठन का महत्वपूर्ण काम भी किया,ऐसी मान्यता है कि 1859 में ये नेपाल चले गए,24 सितम्बर 1859 को इनका निधनं हों गया,ये साढ़े तीन दशकों के जीवन में देश के लिए वह कर गये,जो लोग कई दशकों तक जीवित रह कर नहीं कर सकते,भीखा जी मेडम कामा का 24 सितम्बर 1861 को मुंबई में जन्म हुआ था, इनका 13 अगस्त 1936 में निधन हुआ था, इन्होंने 1907 में जर्मनी में भारत का पहला झन्डा फहराया था, ये सच्ची क्रांति नेत्री थी,इनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है, कार्यक्रम में अशोक अवस्थी, सिद्धा, बाबूलाल प्रजापति, महावीर इलेक्ट्रीशियन, रामनारायन सोनकर, राहुल, रिचा, प्रेम,सागर, सतेन्द्र और अखिलेश आदि शामिल रहे।

नई कार्यकारिणी को एसडीएम ने दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ

बांदा। जनपद के बबेरू कस्बे में आगामी शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा महोत्सव को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। कस्बे के कमासिन रोड स्थित प्राचीन व ऐतिहासिक माँ मढ़ी दाई स्थान पर आयोजित होने वाले भव्य दुर्गोत्सव के इस वर्ष 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में इस बार आयोजन को 'गोल्डन जुबली'के रूप में बेहद धूमधाम और भव्यता के साथ मनाने का निर्णय लिया गया है।

नई कार्यकारिणी का गठन,एसडीएम ने दिलाई शपथ गोल्डन जुबली वर्ष को ऐतिहासिक बनाने के लिए नई समिति का गठन किया गया है। कलेक्ट्रेटध्तहसील परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपजिलाधिकारी बबेरू द्वारा नवमनोनित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। अध्यक्ष विकास चतुर्वेदी,प्रबंधक बउवा सेंगर,कोषाध्यक्ष पिंटू गुप्ता शपथ लेने के बाद नवनियुक्त पदाधिकारियों ने निष्ठा व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपनी जिम्मेदारी को पूरी लगन, पारदर्शिता और श्रद्धा के साथ निभाएंगे ताकि आयोजन में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे।

नगरवासियों को जोड़ने वाला आस्था का पर्वसमिति के सदस्यों ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नवरात्र केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह पूरे नगर को आपसी भाईचारे और सौहार्द के सूत्र में बांधने वाला आस्था का महापर्व है। कस्बे के प्रत्येक नागरिक के सहयोग से इस 50वें वर्ष के गोल्डन जुबली आयोजन को अविस्मरणीय बनाया जाएगा। शपथ ग्रहण समारोह में उमड़ा जनसैलाबआयोजन के दौरान करीब 200 से अधिक गणमान्य नागरिक और समिति सदस्य मौजूद रहे।कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामनरेश मिश्रा, बबलू बाजपेई, राजू द्विवेदी, राजीव दीक्षित, राहुल पांडे, देवानंद द्विवेदी, जितेंद्र त्रिपाठी, सुनील तिवारी, विभव मिश्रा, रविंद्र कुमार अग्निहोत्री, राजू यादव, नीरज पांडे, देवराज यादव, दुर्गेश सिंह, संतोष नंदन गौतम, अमरलाल श्रीवास्तव, मनीष चतुर्वेदी, केशव प्रजापति, तेज यादव और राजकुमार समेत भारी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं में बदहाली के खिलाफ जंग

- जदयू का आमरण अनशन चौथे दिन भी जारी, कमिश्नर को सौंपा 15 सूत्रीय ज्ञापन

बांदा। जिला अस्पताल और स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त बदहाली, भ्रष्टाचार और जनसमस्याओं के खिलाफ जनता दल यूनाइटेड का कड़ा रुख लगातार कायम है। शहर के ओक लाट परिसर में जदयू कार्यकर्ताओं का अनिश्चितकालीन आमरण अनशन चौथे दिन भी जारी रहा।

इस आंदोलन की अगुवाई जदयू की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बुंदेलखंड संगठन प्रभारी श्रीमती शालिनी सिंह पटेल कर रही हैं। इसी कड़ी में जदयू महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष पिंकी प्रजापति के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने चित्रकूटधाम मंडल के आयुक्त को 15 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।प्रशासनिक उदासीनता पर जताई सख्त नाराजगीज्ञापन सौंपने पहुंचे जदयू नेताओं ने स्थानीय जिला प्रशासन की कार्यशैली और उपेक्षात्मक रवैये पर कड़ा विरोध व्यक्त किया।नेताओं का कहना है कि लगातार चार दिनों से जारी अनशन के बावजूद प्रशासन द्वारा कोई वार्ता या सुध न लेना संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। इससे न केवल आम जनता की समस्याएं अनदेखी हो रही हैं, बल्कि शासन–प्रशासन की छवि भी जनता के बीच धूमिल हो रही है।प्रमुख माँगें एवं निष्पक्ष जाँच की चेतावनीजदयू द्वारा सौंपे गए 15 सूत्रीय ज्ञापन में प्रमुख रूप से माँग की गई है किरूदूसरे जिले की टीम से जाँचरू स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए किसी अन्य जनपद के अधिकारियों की विशेष जाँच टीम गठित की जाए।स्वास्थ्य सेवाओं में सुधाररू जिला अस्पताल एवं रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और दवाओं की उपलब्धता दुरुस्त की जाए। जदयू नेताओं ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि ज्ञापन में उठाई गई माँगों पर त्वरित एवं ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में इस आंदोलन को और व्यापक एवं उग्र रूप दिया जाएगा।ज्ञापन सौंपने में यह प्रमुख चेहरे रहे मौजूदज्ञापन प्रस्तुत करने के दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष उमाकांत सविता, जिलाध्यक्ष जुगुल पटेल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रवींद्र नाथ गुप्ता, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश सचिव गरिमा सिंह पटेल, अतर्रा नगर अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ ज्योति मौर्य और नगर विकास प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष काशी प्रसाद मौजूद रहे।इसके अलावा सामाजिक कार्यकर्ता धीरज मिश्रा, अटल बिहारी, बिहारी पटेल, बिहारी अनुरागी, श्रीराम प्रजापति, भरत लाल कुशवाहा, संतोष अकेला, पूनम देवी, सुनीता पटेल, रामप्यारी देवी, भैरामदीन पटेल, रावेन्द्र सिंह और ओम प्रकाश समेत लगभग 200 से अधिक पार्टी कार्यकर्ता और आम नागरिक उपस्थित थे।

खराब ट्रक में घुसा तेज रफ्तार ट्रक

बांदा। जनपद के तिंदवारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत छापर के समीप बांदा–टांडा नेशनल हाईवे पर देर रात एक बड़ा हादसा हो गया। हाईवे पर अनियंत्रित होकर एक तेज रफ्तार ट्रक सड़क किनारे पहले से खड़े खराब ट्रक में पीछे से जा घुसा। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिसमें चालक और क्लीनर दोनों लहूलुहान होकर अंदर ही फंस गए।हादसा होते ही मौके पर तेज आवाज के साथ चीख–पुकार मच गई। दुर्घटना देखकर आसपास के स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। छापर गांव के पूर्व प्रधान विवेक सिंह ने बिना देर किए घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस प्रशासन को दी। सूचना मिलते ही उप निरीक्षक सुभाष वर्मा और उप निरीक्षक अंजनी कुमार पांडेय भारी पुलिस बल के साथ तत्काल मौके प पहुंचे और राहत–बचाव कार्य शुरू किया।

हिन्दी दैनिक

जन विचार प्रवाह

डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम आयोजित

—संजय त्रिपाठी ब्यूरो आगरा मण्डल—

आगरा.केमिस्ट एसोसिएशन ने डायरिया से शून्य से पांच साल तक के बच्चों को सुरक्षित बनाने में बड़ी भूमिका निभाने का संकल्प लिया है। इसके लिए एसोसिएशन खासकर डायरिया के प्रति जागरूकता पर जोर देगा और मेडिकल स्टोर पर आने वालों को डायरिया के बारे में जानकारी देने के साथ ही उससे बचाव व रोकथाम के उपायों के बारे में भी बताएगा और उचित उपचार के लिए चिकित्सक के पास जाने की सलाह भी देगा। यह फैसला गुरूवार को स्थानीय एक होटल में केमिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष आशीष ब्रह्मभट्ट व महामंत्री राजीव शर्मा की उपस्थिति में आयोजित अभिमुखीकरण कार्यशाला में लिया गया स पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया और केनव्यू के सहयोग से जनपद आगरा में चल रहे 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता महामंत्री राजीव शर्मा ने की।

कार्यशाला में पीएसआई इंडिया के पंकज कुमार ने 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के बारे में बताया कि यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के 13 और बिहार के तीन जनपदों में चलाया जा रहा है, जिसमें शून्य से पांच साल तक के बच्चों की डायरिया के कारण होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना और दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि डायरिया नियंत्रण और रोकथाम में केमिस्ट बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। इस पर केमिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष आशीष ब्रह्मभट्ट ने कार्यक्रम को सफल बनाने में हरसम्भव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि समुदाय में डायरिया को लेकर आज भी भ्रांतियां व्याप्त हैं, जिनको दूर करना बहुत जरूरी है। इसमें वह भरपूर सहयोग करेंगे।

महामंत्री राजीव शर्मा ने केमिस्ट एसोसिएशन के सदस्यों की डायरिया पर पीएसआई इंडिया द्वारा कराई जा रही कार्यशाला की सराहना की एवं आश्वासन दिया कि आगे भी वह ऐसे आयोजनों में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि डायरिया से अपने साथ ही बच्चों को सुरक्षित बनाने के लिए घर पर ओआरएस और जिंक अवश्य रखें क्योंकि यही इसका सही उपचार है। जरूरत पड़ने पर स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र जाकर चिकित्सक की सलाह अवश्य लें। कार्यशाला में केमिस्ट लिफाफा एवं पोस्टर का वितरण मौजूद दवा व्यापारियों को किया गया। कार्यशाला के अन्त में केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष आशीष ब्रह्मभट्ट ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला में केमिस्ट एसोसिएशन के सदस्यगण, कोषाध्यक्ष सतीश पाठक, संस्थापक श्याम तिवारी, एसोसिएशन के पदाधिकारी रमेश चंद माहेश्वरी के साथ ही पीएसआई इंडिया से आरती आदि उपस्थित रहे।

दहेज हत्या के मुकदमे में वांछित गिरफ्तार

जौनपुर। सिंगरामऊ थाना पुलिस ने दहेज हत्या के मुकदमे में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार के नेतृत्व में उपनिरीक्षक रामदुलार यादव पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर मु0अ0सं0 131/2026 से संबंधित आरोपी राकेश कुमार यादव पुत्र स्व. रामलखन यादव, निवासी बोधीपट्टी, थाना सिंगरामऊ को नाभीपुर नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ मुकदमे में धारा 85/80(2) बीएनएस एवं 3/4 डीपी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का पूर्व में भी सिंगरामऊ थाने में मुकदमा दर्ज है। आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रामदुलार यादव, कांस्टेबल रामविलास यादव और कांस्टेबल सत्येंद्र यादव शामिल रहे।

गणेश चतुर्थी पर हुआ विशाल कन्या भोज और भंडारा, उमड़ा जनसैलाब

बांदा। जनपद के बबेरू कस्बे में गणेश चतुर्थी का पर्व बेहद भव्य और भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ। कस्बे के कमासिन रोड स्थित प्राचीन व प्रसिद्ध माँ मढ़ी दाई स्थान के संस्थापक नीलेश कुमार रस्तोगी नीलू भैया द्वारा विगत 20 वर्षों से चली आ रही इस पावन परंपरा को इस वर्ष भी पूरी श्रद्धा और धूमधाम के साथ निभाया गया। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर स्थापित की गई गणपति प्रतिमा के पूजन–अर्चन के बाद कस्बे के गणपति मैरिज हॉल में विशाल कन्या भोज एवं भंडारे का आयोजन किया गया। आयोजन में सबसे पहले विधि–विधान से कन्या पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया और दक्षिणा देकर आशीर्वाद लिया गया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का प्रसाद वितरण शुरू हुआ। संस्थापक नीलेश कुमार रस्तोगी नीलू भैया ने बताया कि माँ मढ़ी दाई स्थान और भगवान श्री गणेश की कृपा से यह आयोजन लगातार पिछले 20 वर्षों से अनवरत आयोजित किया जा रहा है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कस्बे व आसपास के क्षेत्रों से भारी संख्या में श्रद्धालु प्रभु का प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे। इस विशाल भंडारे में बबेरू कस्बे के लगभग सभी प्रमुख विद्यालयों के छात्र–छात्राओं, शिक्षकों और स्थानीय निवासियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। सुबह से शुरू हुआ प्रसाद वितरण देर शाम तक निरंतर चलता रहा, जहाँ हजारों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर गणपति बप्पा का प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय सहयोगियों और कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

विश्व नदी दिवस एवं पुनीत सागर अभियान सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर। विश्व नदी दिवस एवं पुनीत सागर अभियान के साथ सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बयालसी महाविद्यालय जलालपुर जौनपुर में पर्यावरण संरक्षण, नदी एवं जलस्रोतों की स्वच्छता तथा युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के उद्देश्य से विविध जागरूकता एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण, एनसीसी कैडेट्स तथा छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम प्राचार्य प्रो0 अलकेश्वरी सिंह में बताया गया कि नदियां केवल जल का स्रोत नहीं हैं, बल्कि सभ्यता, संस्कृति, कृषि, अर्थव्यवस्था, जैव विविधता और मानव जीवन का महत्वपूर्ण आधार हैं। नदियों एवं जलस्रोतों में प्लास्टिक तथा अन्य कचरा डालने से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है तथा जैव विविधता, स्वास्थ्य और आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। पुनीत सागर अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों को जलस्रोतों को स्वच्छ रखने तथा प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। कचरे के संग्रहण, पृथक्करण, पुनर्चक्रण एवं पुनः उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान नदी में फूल–माला अथवा अन्य सामग्री प्रवाहित करने के स्थान पर उनके उचित संग्रह एवं प्रबंधन की आवश्यकता बताई गई। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रो0 बृजेश कुमार मिश्र एवं प्रो0 प्रतिभा सिंह के निर्देशन में विद्यार्थियों को सामाजिक सहभागिता, राष्ट्र निर्माण, जनकल्याण एवं सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन में युवाओं की भूमिका के प्रति जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता एवं विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया। प्रो0 संजय नारायण सिंह द्वारा मौसम की प्रतिकूलता के कारण एंटी–पॉल्यूशन ड्राइव के स्थान पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। पोस्टर एवं चित्रकला, भाषण, वाद–विवाद तथा क्विज प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने जलस्रोतों को स्वच्छ रखने, प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने तथा सामाजिक एवं पर्यावरणीय दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. अनिल कुमार, आयोजन समिति, प्राध्यापकगण एवं एनसीसी कैडेट्स का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एमएलसी चुनाव तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट में बैठक

बांदा। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के इलाहाबाद–झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक चुनाव 2026 की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी बांदा अमित आसेरी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व राज्यस्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया। 22 सितंबर को चुनाव कार्यक्रम घोषित जिला निर्वाचन अधिकारी अमित आसेरी ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन का विस्तृत कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। अधिसूचना जारी होने की तिथि 29 सितंबर 2026 मंगलवार नामांकन की अंतिम तिथि 06 अक्टूबर 2026 नामांकन पत्रों की जांच 07 अक्टूबर 2026 नाम वापसी की अंतिम तिथि 09 अक्टूबर 2026मतदान की तिथि व समयरू 23 अक्टूबर 2026 शुक्रवार, सुबह 8 बजे से शाम 400 बजे तक मतगणना की तिथि 27 अक्टूबर 2026 निर्वाचन संपन्न होने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 जिले में 19,743 स्नातक मतदाता, बनाए गए 22 मतदेय स्थलजनपद में इस बार कुल 19,743 स्नातक मतदाता 14,223 पुरुष और 5,520 महिला अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। 4 नए सहायक बूथ प्रस्तावित वर्ष 2020 के निर्वाचन में जिले में 18 मतदेय स्थल बनाए गए थे। इस बार 1,400 से अधिक मतदाताओं वाले 4 केंद्रों पर अतिरिक्त सहायक बूथ (173–अ, 182–अ, 188–अ और 189–अ) प्रस्तावित किए गए हैं। नए प्रस्ताव के बाद जिले में कुल मतदेय स्थलों की संख्या 22 हो गई है। सभी बूथ शासकीय भवनों में स्थापित किए जाएंगे, जिनका संबंधित उपजिलाधिकारी द्वारा भौतिक सत्यापन पूरा कर लिया गया है। आदर्श आचार संहिता लागू, सुझाव व आपत्तियां मांगी गईंजिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन आयोग के दिशा–निर्देशानुसार कानपुर नगर, कानपुर देहात और उन्नाव को छोड़कर संपूर्ण उत्तर प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू हो चुकी है। राजनीतिक दलों के साथ पूर्व में 19 सितंबर 2026 को भी बैठक बुलाई गई थी। प्रस्तावित मतदेय स्थलों को लेकर किसी भी प्रकार के सुझाव या आपत्ति दर्ज कराने के लिए राजनीतिक दलों को 23 सितंबर तक जिला निर्वाचन कार्यालय में लिखित आवेदन प्रस्तुत करने की समय–सीमा दी गई थी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व समेत निर्वाचन विभाग के अधिकारी और विभिन्न राजनीतिक दलों के अधिकृत प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर विद्यार्थियों ने दिया सामाजिक सरोकारों का संदेश

लखनऊ(संवाददाता)। राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में राष्ट्रीय सेवा योजना की एक इकाई की ओर से ज्यूरिस हॉल, जस्टिस ए.एस. आनंद प्रशासनिक भवन में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शशि प्रभा जोशी के मार्गदर्शन में हुआ। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि मोहनलालगंज विधायक अमरेश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. आनंद वल्लभ जोशी, प्रो. डॉ. अशोक कुमार सोनकर, डॉ. सुधीर कुमार वर्मा और डॉ. अंजली सिंह सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। मुख्य अतिथि अमरेश कुमार ने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय सेवा योजना गीत की प्रस्तुति से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने नृत्य प्रस्तुत किया तथा महिला सशक्तीकरण पर नुक्कड़ नाटक और लघु नाटिका के माध्यम से महिला अधिकार, समानता और आत्मनिर्भरता जैसे विषयों को सामने रखा। भाषण और काव्य–पाठ के जरिए भी सामाजिक सरोकारों और राष्ट्र निर्माण से जुड़े संदेश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों और स्वयंसेवकों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। सभी ने नशे से दूर रहने और समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विद्यालयों में कायाकल्प, स्मार्ट क्लास, छात्र नामांकन, लर्निंग आउटकम सहित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कायाकल्प के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जर्जर भवनों को नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा नए भवननिर्माण के प्रस्ताव भी तैयार कराए जाएं। जिलाधिकारी ने विभिन्न पैरामीटर पर विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा की। विकाश खंड करंजा कला और मुगरा बादशाहपुर कई पैरामीटर में में अपेक्षित प्रगति कम पाए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित खंड शिक्षा अधिकारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। स्मार्ट क्लास की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने जानकारी ली कि कितने विद्यालयों में स्मार्ट क्लास संचालित हैं। उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि स्मार्ट क्लास के प्रभावी संचालन की नियमित निगरानी के लिए व्हाट्सऐप ग्रुप बनाया जाए तथा प्रतिदिन कक्षाओं के संचालन की वीडियो क्लिप साझा की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि पंचायत भवनों में स्थापित की जा रही डिजिटल लाइब्रेरी का बच्चों के हित में प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि उनमें अध्ययन एवं पठन–पाठन की आदत विकसित हो। उन्होंने निर्देश दिया कि विद्यालयों में अनिवार्य रूप से पैरेंट्स–टीचर मीटिंग आयोजित की जाए, जिसमें अभिभावकों को उनके बच्चों की शैक्षिक प्रगति एवं लर्निंग आउटकम की जानकारी दी जाए। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में मिशन शक्ति के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्राओं को महिला सुरक्षा, अधिकार एवं संबंधित योजनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए।

विद्यालयों की छतों के ऊपर के विद्युत तार न हटाए जाने की जानकारी प्राप्त होने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त छात्र नामांकन की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। अभियान चलाकर बच्चों के बर्थ सर्टिफिकेट बनवाने की कार्रवाई भी प्राथमिकता से पूर्ण कराई जाए। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालयों में बच्चों के लर्निंग आउटकम में सुधार एवं शैक्षिक गुणवत्ता में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं तथा योजनाओं एवं कार्यक्रमों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

जिला अधिकारी के द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने पर खंड शिक्षा अधिकारी मडियाहू उदयभान कुशवाहा और राज्य पुरस्कार प्राप्त करने वाले अध्यापक संजय मिश्रा को स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिला पूर्ति अधिकारी एवं खंड शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया की सभी विद्यालयों में गैस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, विद्यालयों में मिड डे मील निर्धारित मीन के अनुसार बच्चों को दिए जाने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, परियोजना निदेशक के के पांडेय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर, खंड शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नशामुक्तयुवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव : कुलपति

नशामुक्त युवा/विकसित भारत के संकल्प के साथ मनाया गया एन एस एस स्थापना दिवस

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में कंज्यूमर वॉयस, नई दिल्ली एवं कंज्यूमर गिल्ड, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के अवसर पर "नशा मुक्त युवादृविकसित भारत" अभियान के अंतर्गत युवाओं में शराब के दुष्प्रभावों की रोकथाम, जागरूकता एवं संरक्षण विषयक युवा संवेदनी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशला की अध्यक्षता करते हुए

कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने कहा कि युवाओं की ऊर्जा और प्रतिभा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से युवाओं को बचाने के लिए परिवार, शिक्षण संस्थानों, सामाजिक संगठनों और युवाओं को मिलकर कार्य करना होगा। मुख्य वक्ता अभिषेक श्रीवास्तव कंज्यूमर गिल्ड लखनऊ ने कहा कि एक जागरूक युवा वही है जो किसी वस्तु या आदत को अपनाने से पहले उसके प्रभाव और परिणाम को समझता है। आज आवश्यकता है कि हम युवाओं को केवल यह न कहें कि "नशा मत करो", बल्कि उन्हें यह भी बताएं कि नशे से दूर रहकर जीवन में बेहतर विकल्प क्या हो सकते हैंकृ खेल, योग, अध्ययन, नवाचार, सामाजिक सेवा और रचनात्मक गतिविधियां। सुश्री नीलजना बोस ने अपना उद्बोधन एक प्रस्तुतिकारण के साथ प्रस्तुत किया कई बार युवाओं पर दोस्तों का दबाव, सामाजिक वातावरण या यह सोच प्रभाव डालती है कि शराब पीना आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा है। हमें इस सोच पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि आज युवा जीवन में अनेक प्रकार के दबावों से गुजरता हैकृपढ़ाई का दबाव, करियर की चिंता, प्रतिस्पर्धा, सामाजिक अपेक्षाएं और साथियों का प्रभाव। ऐसे समय में हमें युवाओं को केवल उपदेश देने के बजाय उन्हें सही जानकारी, सही मार्गदर्शन और सकारात्मक वातावरण देना होगा। मैं कंज्यूमर वॉयस, नई दिल्ली एवं कंज्यूमर गिल्ड, लखनऊ का भी आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने युवाओं के बीच इस महत्वपूर्ण विषय को लेकर संवाद की पहल की है।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस पर नशा मुक्ति युवा फॉर विकसित थीम पर स्वयंसेवकों निशांत एवं अंजली की टीम ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। रिया गुप्ता, आस्था सोनी, अंतिम विश्वकर्मा, अंजली चौहान, संध्या विंद ने नशा मुक्त पर सॉन्ग प्रस्तुत किया।

अतिथियों का स्वागत परिचय कार्यक्रम समन्वयक डॉ शशिकांत यादव ने किया। कार्यक्रम का संचालन अभिनव कीर्ति पांडेय और श्री ओम प्रकाश मिश्र ने किया धन्यवाद ज्ञापन सुमित सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ श्याम कन्हैया डॉ अनुराग मिश्र, डॉ श्वेता पांडेय, डॉ राधिका उर्मिलिया, डॉ विवेक डॉ रिचा सिंह, अर्पिता यादव, शिवांगी कौशल, आर्ची वर्मा, बृजेश एवं बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

भारत टैक्सी एवं मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना का शुभारंभ

—संजय त्रिपाठी ब्यूरो आगरा मण्डल—

फिरोजाबाद.उ०प्र० में मुख्यमंत्री जी की गरिमामयी उपस्थिति में लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश में भारत टैक्सी एवं मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के शुभारम्भ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण, जिला सहकारी बैंक लि०, फिरोजाबाद के मुख्यालय पर किया गया। कार्यक्रम के संयोजक अतुल प्रताप सिंह, सभापति, जिला सहकारी बैंक लि०, फिरोजाबाद एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रेमपाल सिहं धनगर विधायक टूण्डला, बैंक संचालक शैलेन्द्र प्रताप सिहं, अध्यक्ष उ०प्र० ग्राम विकास बैंक, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता, फिरोजाबाद, सचिव/ मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला सहकारी बैंक लि०, समस्त अपर जिला सहकारी अधिकारी, समस्त सहायक विकास अधिकारी (सह०), समस्त सहकारी सचिव एवं सम्मानित कृषकगणों के द्वारा सहभागिता की गयी। कार्यक्रम में भारत टैक्सी एवं मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना की विस्तृत जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में भारत टैक्सी के शुभारम्भ के साथ–साथ टैक्सी सारथियों को 05 लाख की सामाजिक सुरक्षा के अन्तर्गत बीमा क्लेम दिये जाने, लाभार्थियों को ऋण स्वीकृति पत्र तथा सहकारिता विभाग के को–ऑपेरेटिव डाटा सेन्टर के मोबाइल एप यू०पी०सी०डी०सी० एवं उर्वरक सेतु से सम्बन्धित जानकारी साझा की गयी। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, सहकारी संस्थाओं को मजबूत करने तथा कृषि क्षेत्र में सुविधाओं एवं सेवाओं को प्रभावी बनाने तथा कृषिगत गतिविधियों में दीर्घकालीन निवेश की उद्घोषणा की गयी। उक्त योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुंच के लिए व्यापक प्रयास किये जायेंगे साथ ही उपरोक्त योजनाओं द्वारा रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, परिवहन सेवा अधिक सुविधाजनक हो जायेगी एवं कम ब्याज दरों पर दीर्घकालीन ऋण प्राप्त होने से अधिक ब्याज दरों से मुक्ति के साथ–साथ आत्मनिर्भरता एवं आर्थिक सशक्तीकरण को बढ़ावा मिलेगा तथा विकसित भारत 2047 के अन्तर्गत आयोजित सेवा संकल्प अभियान (17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026) को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने में बल मिलेगा।

चिनहट में घर से चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, सिलेंडर और साड़ियां बरामद

लखनऊ(संवाददाता)। चिनहट थाना पुलिस ने घर से गैस सिलेंडर, कपड़े और अन्य सामान चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का गैस सिलेंडर, दो साड़ियां और 310 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 30 जुलाई 2026 को विनय कुमार तिवारी पुत्र अवध नारायण तिवारी, निवासी ओम साईं विष्णु विहार कॉलोनी, कान्तिपुरम मटियारी, चिनहट ने घर से गैस सिलेंडर, कपड़े और अन्य सामान चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। तहरीर के आधार पर चिनहट थाने में मुकदमा संख्या 405/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(ए) में मुकदमा दर्ज किया गया।

निलंबित फरार थानाध्यक्ष समेत दो पर 25 हजार का इनाम

जौनपुर। पुलिस की वर्दी और पद की आड़ में कथित जबरन वसूली और लूट के मामलों में कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। जलालपुर और सुरेरी थाने में दर्ज दो अलग–अलग मुकदमों की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने कार्रवाई का दायरा बढ़ाते हुए सुरेरी के तत्कालीन थानाध्यक्ष उपनिरीक्षक दिव्य प्रकाश सिंह समेत दो आरोपितों पर 25–25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। आरोपी थानाध्यक्ष की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। वहीं जलालपुर प्रकरण में नामजद दो आरोपितों ने पुलिस की दबिशों के बीच न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। दोनों मामलों में पुलिस अब तक दो निलंबित सिपाहियों समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस की कार्रवाई में सुरेरी थाने में तैनात रहे निलंबित सिपाही सत्येंद्र कुमार गौड़ और विष्णु सिंह की गिरफ्तारी भी शामिल है। एसआईटी की जांच में सामने आ रहे तथ्यों के आधार पर पुलिस अन्य संदिग्धों की भूमिका भी खंगाल रही है। सुरेरी थाने में 22 सितंबर को दर्ज मुकदमे में बड़ागांव, कमिश्नरेट वाराणसी निवासी राजेंद्र दूबे को नामजद किया गया है। मुकदमे में सादे कपड़ों में मौजूद बताए गए तीन–चार अज्ञात पुलिसकर्मियों तथा खाते में रकम मंगाने वाले वंशनरायन गिरी को भी आरोपित बनाया गया है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित ने आरोप लगाया है कि 13 सितंबर को राजेंद्र दूबे ने फोन कर उसे मिलने के लिए बुलाया था। वहां मौजूद सादे कपड़ों में तीन–चार लोगों ने कथित तौर पर खुद को पुलिसकर्मी बताया और उसे वाहन में बैठाकर ले गए। आरोप है कि इसके बाद करीब 1.65 लाख रुपये की वसूली की गई और यूपीआई के जरिए वंशनरायन गिरी के खाते में रकम स्थानांतरित कराई गई।

गौतम अडानी ने की जबरदस्त वापसी! मुकेश अंबानी को पछाड़ कर फिर बने नंबर-1,इंडिया में अमीरों की संख्या भी बढ़ी

नीरज कुमार दुबे ।

भारत के सबसे अमीर परिवारों की तस्वीर भी बदल रही है। एलएन मित्तल परिवार 93 प्रतिशत की छलांग के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया है और उसकी संपत्ति 3.39 लाख करोड़ रुपये हो गई है। अनिल अग्रवाल परिवार 87 प्रतिशत वृद्धि के साथ नौवें स्थान पर आया है।

भारत के कारोबारी जगत में एक बार फिर बड़ा उलटफेर हुआ है। एम3एम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 ने गौतम अडानी और उनके परिवार को देश के सबसे अमीर परिवार के रूप में फिर से नंबर एक पर पहुंचा दिया है। अडानी परिवार की कुल संपत्ति अब 9.23 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि पिछले साल शीर्ष स्थान पर रहे मुकेश अंबानी और उनका परिवार 8.63 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर है। यानी अडानी परिवार ने 59,400 करोड़ रुपये की बढ़त के साथ पहला स्थान हासिल किया है।यह वापसी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल के दिनों में अडानी समूह और स्वयं गौतम अडानी को लेकर कई विवाद खड़े किये गये थे। लेकिन विवादों से सफलतापूर्वक बाहर आते हुए अडानी की कारोबारी ताकत और उनके समूह से जुड़ी संपत्ति में फिर उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। एक साल में अडानी परिवार की संपत्ति 13 प्रतिशत बढ़ी, जबकि अंबानी परिवार की संपत्ति में 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।लेकिन इस कहानी की अहमियत सिर्फ इतनी नहीं है कि गौतम अडानी फिर से नंबर एक अमीर बन गए हैं। हुरुन की रिपोर्ट भारत में तेजी से बढ़ती संपत्ति की भी बड़ी तस्वीर दिखाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में अब 391 ऐसे अरबपति हैं जिनकी संपत्ति अमेरिकी डॉलर में एक अरब डॉलर या उससे ज्यादा है। पांच साल पहले ऐसे अरबपतियों की संख्या 237 थी। वहीं, कम से कम 1,000 करोड़ रुपये की संपत्ति रखने वाले भारतीयों की संख्या बढ़कर 1,810 हो गई है। इन सभी की कुल संपत्ति 187.5 लाख करोड़ रुपये है, जो भारत की अर्थव्यवस्था के आकार के करीब आधे के बराबर है। यानी भारत में सिर्फ अरबपतियों की संख्या ही नहीं बढ़ रही, बल्कि देश में बड़े पैमाने पर नई संपत्ति भी तैयार हो रही है।

खास बात यह है कि यह संपत्ति वृद्धि ऐसे समय हुई जब शेयर बाजार में कमजोरी रही। इस अवधि में सूची में शामिल कुल संपत्ति 12.8 प्रतिशत बढ़ी, जबकि निफ्टी 50 में 3.9 प्रतिशत और सेंसेक्स में 5.8 प्रतिशत की गिरावट आई। इसका अर्थ यह है कि अमीरी की इस तस्वीर को केवल शेयर बाजार की तेजी से समझना गलत होगा। कारोबार में हिस्सेदारी, कंपनियों का मूल्यांकन, ऑर्डर बुक, उत्पादन क्षमता, बुनियादी ढांचे में निवेश और निर्यात मांग जैसे कारक इसमें बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।उधर, अडानी की वापसी इसी बदलते आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी दिखाई देती है। हुरुन के मुताबिक एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र की संपत्ति में 69 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हरित ऊर्जा और औद्योगिक उत्पादों में 31–31 प्रतिशत, धातु एवं खनन में 30 प्रतिशत, औषधि क्षेत्र में 25 प्रतिशत और वित्तीय सेवाओं में 23 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हुरुन के संस्थापक और मुख्य शोधकर्ता अनस रहमान जुनैद ने ऑर्डर बुक, बुनियादी ढांचे में निवेश, विनिर्माण क्षमता और निर्यात मांग को संपत्ति निर्माण के महत्वपूर्ण इंजन बताया है। बुनियादी ढांचा, ऊर्जा, औद्योगिक गतिविधियां, हरित ऊर्जा और अन्य बड़े पूंजीगत क्षेत्रों में निवेश उस व्यापक आर्थिक बदलाव से जुड़े हैं जिसे हुरुन ने इस सूची में दर्ज किया है। देखा जाये तो विकसित भारत के निर्माण की चर्चा में बुनियादी ढांचा, ऊर्जा सुरक्षा, विनिर्माण क्षमता, रक्षा उत्पादन और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्र केंद्रीय भूमिका रखते हैं।इस बीच भारत के सबसे अमीर परिवारों की तस्वीर भी बदल रही है। एलएन मित्तल परिवार 93 प्रतिशत की छलांग के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गया है और उसकी संपत्ति 3.39 लाख करोड़ रुपये हो गई है। अनिल अग्रवाल परिवार 87 प्रतिशत वृद्धि के साथ नौवें स्थान पर आया है, जबकि टॉरेंट फार्मास्यूटिकल्स से जुड़े समीर मेहता परिवार ने 52 प्रतिशत वृद्धि के बाद शीर्ष दस में जगह बनाई है।

एक और बड़ा बदलाव यह है कि भारत की नई संपत्ति तेजी से तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा, सेमीकंडक्टर और हरित ऊर्जा से पैदा हो रही है। पहली बार कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अलग संपत्ति–सृजन क्षेत्र के रूप में दर्ज किया गया है। इस क्षेत्र से जुड़े 19 लोग सूची में हैं, जिनकी संयुक्त संपत्ति 3.07 लाख करोड़ रुपये है। एआई, एयरोस्पेस एवं रक्षा और सेमीकंडक्टर क्षेत्र मिलकर 48 लोगों की 4.26 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं।साथ ही भारत में औद्योगिक उत्पाद क्षेत्र सबसे बड़ा क्षेत्र बना हुआ है, जिसमें 166 नाम हैं। इसी क्षेत्र से 44 नए लोग सूची में आए। यह संकेत है कि भारत में संपत्ति निर्माण की कहानी केवल उपभोक्ता बाजार की नहीं, बल्कि कारखानों, उत्पादन, बुनियादी ढांचे, रक्षा, ऊर्जा और तकनीक की भी बन रही है। दूसरी तरफ उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं, खाद्य एवं पेय, उपभोक्ता वस्तुओं और खुदरा जैसे क्षेत्रों में संपत्ति में गिरावट दर्ज हुई।

सबसे खास बात यह है कि भारत में नई संपत्ति का बड़ा हिस्सा अब लोग अपनी मेहनत और कारोबार के दम पर खड़ा कर रहे हैं। हुरुन की सूची में शामिल 1,266 उद्यमी यानी करीब 70 प्रतिशत लोग स्वनिर्मित हैं। पांच साल पहले यह आंकड़ा 55 प्रतिशत था। यानी अब पहले से कहीं ज्यादा भारतीय अपने दम पर कारोबार खड़ा कर रहे हैं और बड़ी संपत्ति बना रहे हैं।

वहीं गौतम अडानी का फिर नंबर एक बनना इसी बड़ी आर्थिक कहानी का एक प्रमुख अध्याय है। 2022 में अडानी और अंबानी परिवारों की संयुक्त संपत्ति बाकी शीर्ष आठ परिवारों से 5.84 लाख करोड़ रुपये अधिक थी। 2026 में तस्वीर उलट गई है। दोनों की संयुक्त संपत्ति 17. 86 लाख करोड़ रुपये है, जबकि बाकी आठ की कुल संपत्ति 21.15 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुकी है। यानी भारत की संपत्ति अब धीरे–धीरे शीर्ष दो परिवारों से आगे भी फैल रही है।फिर भी अडानी की नंबर एक पर वापसी का संदेश साफ है। आलोचनाओं, बाजार के उतार–चढ़ाव और कारोबारी चुनौतियों के बीच उनकी संपत्ति में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई और वह फिर भारत के सबसे अमीर परिवार के शीर्ष स्थान पर पहुंच गए।बहरहाल, भारत की अर्थव्यवस्था जिस दिशा में बढ़ रही है, उसमें बुनियादी ढांचा, विनिर्माण, ऊर्जा, रक्षा, हरित ऊर्जा और नई तकनीक निर्णायक होते जा रहे हैं। अडानी की कारोबारी उपस्थिति इन क्षेत्रों के बड़े हिस्से में है। इसलिए उनकी वापसी सिर्फ अमीरी की सूची में नंबर बदलने की घटना नहीं, बल्कि भारत में पूंजी और संपत्ति निर्माण के बदलते केंद्रों की एक तस्वीर भी है। विकसित भारत की महत्वाकांक्षा को जमीन पर उतारने के लिए जिन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश की जरूरत है, उनमें निजी क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण है और अडानी समूह की गतिविधियां इसी व्यापक निवेश चक्र का एक हिस्सा हैं।

सम्पादकीय

योगदान से सामाजिक सरोकार

किसी गरीब मां के लिए वह क्षण कितना बड़ा होता होगा, जब उसके घर के चूल्हे पर धुएं के बजाय गैस की नीली लौ जलती है। किसी पिता के लिए वह कितनी बड़ी राहत होगी, जब उसे यह चिंता न हो कि आज बच्चों के लिए भोजन कहां से आएगा। बस्तर के किसी दूरस्थ गांव में रहने वाले जनजातीय परिवार के लिए वह कितनी बड़ी खुशी होगी, जब कठिन रास्तों को पार कर राशन उसके गांव तक पहुंचता है। वास्तव में सेवा का अर्थ इन्हीं छोटे–छोटे लेकिन अनमोल क्षणों में दिखाई देता है।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने का अवसर हमें इसी व्यापक अर्थ में सेवा को देखने का अवसर देता है। यह यात्रा केवल पद और दायित्व की यात्रा नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के संकल्प की यात्रा भी रही है। श्सेवा संकल्प अभियान्य के माध्यम से हम प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करने के साथ–साथ यह संकल्प भी लें कि विकसित भारत के निर्माण में हमारा अपना योगदान क्या होगा।

सेवा का भाव किसी एक व्यक्ति या संस्था तक सीमित नहीं होता। जब कोई व्यक्ति रक्तदान करता है, किसी जरूरतमंद की मदद करता है, स्वच्छता के लिए श्रमदान करता है, नदी या घाट की सफाई में अपना समय देता है अथवा अपने आसपास के लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करता है, तब राष्ट्र निर्माण की एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण ईंट रखी जाती है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता को इसी जनभागीदारी से जोड़ा। स्वच्छ भारत अभियान ने यह संदेश घर–घर तक पहुंचाया कि स्वच्छता केवल सफाई कर्मी या सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। इसी तरह गंगा और देश की अन्य नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसे प्रयासों ने नदी, घाट और पर्यावरण को लेकर समाज की भागीदारी को व्यापक बनाया। सेवा का यह स्वरूप हमें बताता है कि राष्ट्र के प्रति प्रेम केवल शब्दों में नहीं, बल्कि हमारे कर्मों में दिखाई देना चाहिए।गरीब कल्याण के क्षेत्र में भी सेवा का सबसे संवेदनशील रूप दिखाई देता है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने करोड़ों गरीब परिवारों की महिलाओं को धुएं से राहत देते हुए स्वच्छ ईंधन की सुविधा से जोड़ा। एक रसोई में जलती गैस की लौ को केवल एक सरकारी योजना का परिणाम मानना पर्याप्त नहीं होगा। उसके पीछे एक महिला का बदला हुआ जीवन, उसके समय की बचत और सम्मान के साथ भोजन बनाने का अवसर भी जुड़ा है।खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली ने यह सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों की थाली तक खाद्यान्न पहुंचे। इस भावना को बहुत करीब से महसूस करने की बात है कि शासन की किसी भी योजना की सफलता का सबसे बड़ा पैमाना यह है कि उसका लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक कितनी सहजता से पहुंचा।छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली केवल राशन वितरण की व्यवस्था नहीं, बल्कि लाखों परिवारों के जीवन में खाद्य सुरक्षा का आधार है। उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से चावल और आवश्यक खाद्यान्न जब किसी जरूरतमंद परिवार के घर तक पहुंचता है, तब शासन की संवेदनशीलता धरातल पर दिखाई देती है। सरकार की कोशिश भी यही है कि पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहे और व्यवस्था में पारदर्शिता तथा जवाबदेही बनी रहे।

बस्तर का संदर्भ इस सेवा भावना को और गहरा करता है। दूरस्थ एवं जनजातीय अंचलों में भौगोलिक परिस्थितियां अनेक बार सुविधाओं की राह कठिन बनाती हैं। ऐसे क्षेत्रों में नियद नेल्लानार जैसी पहल के माध्यम से शासन की सुविधाओं को उन गांवों और परिवारों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जो लंबे समय तक मुख्यधारा की सुविधाओं से दूर रहे। जब ऐसे किसी गांव के परिवार को उसके नजदीक राशन की सुविधा मिलती है, तो वह केवल खाद्यान्न का वितरण नहीं होता – वह शासन और नागरिक के बीच विश्वास का सेतु बनता है।प्रदेश में पीडीएस प्रणाली की सबसे मानवीय पक्ष यही है कि प्रदेश में कोई पात्र परिवार भूखा न रहे। राशन की दुकान पर पहुंचने वाला प्रत्येक परिवार केवल एक राशनकार्ड संख्या नहीं है। वह एक परिवार है, जिसकी अपनी आवश्यकताएं, उम्मीदें और भविष्य हैं। किसी मां के चेहरे की चिंता कम होना और बच्चों की थाली में भोजन पहुंचना ही सरकार की काम की वास्तविक सार्थकता है।श्सेवा मेरा योगदान्य की भावना इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि विकसित भारत का निर्माण केवल सरकार नहीं कर सकती। सरकार योजनाएं बना सकती है, संसाधन उपलब्ध करा सकती है और व्यवस्थाएं खड़ी कर सकती हैय लेकिन उन्हें जनआंदोलन बनाने की शक्ति समाज की सहभागिता से आती है। रक्तदान करने वाला व्यक्ति, स्वच्छता के लिए आगे आने वाला युवा, नदी–घाट की सफाई करने वाला नागरिक, किसी जरूरतमंद को सरकारी योजना की जानकारी देने वाला व्यक्ति–हर कोई विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकता है।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र

मोदी के गुजरात की हिलसा फिश के आयात पर तारिक रहमान ने लगा दी रोक, इंडिया-बांग्लादेश रिश्तों में आई नई टेंशन

नीरज कुमार दुबे ।

बांग्लादेश लंबे समय से भारत को सीमित मात्रा में हिलसा भेजता रहा है, लेकिन दूसरी तरफ भारत से सैकड़ों टन हिलसा खरीद भी रहा है। पिछले दो महीनों में भारत से करीब 500 टन हिलसा बांग्लादेश पहुंची और अतिरिक्त 150 से 200 टन की प्रक्रिया भी चल रही थी।

भारत और बांग्लादेश के कूटनीतिक संबंध पहले ही खराब दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में बांग्लादेश की तारिक रहमान सरकार ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृहराज्य गुजरात की हिलसा मछली का आयात रोक कर इस चिंगारी को और भड़का दिया है। हम आपको बता दें कि मंगलवार शाम बांग्लादेश ने भारत से हिलसा मंगाने वाले आयात परमिट रद्द कर दिए। पिछले करीब दो महीनों में बांग्लादेश लगभग 550 टन भारतीय हिलसा मंगा चुका था, लेकिन अब अचानक इस व्यापार पर रोक लगा दी गई है। मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि यह फैसला ऐसे समय आया है जब बांग्लादेश खुद हिलसा की कमी और बढ़ती कीमतों से जूझ रहा है। यानी जिस भारतीय हिलसा की जरूरत बांग्लादेश के अपने बाजार को पड़ रही थी, उसी पर रोक लगाकर ढाका ने भारत के साथ पहले से तनावपूर्ण चल रहे रिश्तों में एक नया विवाद खड़ा कर दिया है।

देखा जाये तो यह फैसला ऐसे समय आया है जब बांग्लादेश में हिलसा की स्थानीय पकड़ पिछले कुछ वर्षों के मुकाबले कमजोर हुई है और वहां कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। बांग्लादेशी मछुआरा महासंघ के अध्यक्ष रवींद्रनाथ बर्मन ने आरोप लगाया कि कुछ व्यापारियों ने भारत की गुजरात वाली हिलसा को बांग्लादेशी हिलसा बताकर बेचने की कोशिश की, जिससे उपभोक्ताओं के साथ धोखा हुआ।

लेकिन असली कहानी इससे कहीं बड़ी है। हिलसा सिर्फ एक मछली नहीं है। बंगाली समाज में इसका स्वाद, परंपरा, धार्मिक रीति और सांस्कृतिक पहचान से गहरा संबंध है। बांग्लादेश इसे अपनी राष्ट्रीय मछली मानता है, जबकि पश्चिम बंगाल में भी पद्मा की हिलसा को विशेष प्रतिष्ठा हासिल है। हम आपको बता दें कि पद्मा गंगा की एक प्रमुख वितरिका है, जो आगे मेघना से मिलकर बंगाल की खाड़ी में जाती है। यही वजह है कि पद्मा और मेघना की हिलसा भारत में महंगी कीमत पर भी खरीदी जाती है।

विडंबना देखिए कि बांग्लादेश लंबे समय से भारत को सीमित मात्रा में हिलसा भेजता रहा है, लेकिन दूसरी तरफ भारत से सैकड़ों टन हिलसा खरीद भी रहा है। पिछले दो महीनों में भारत से करीब 500 टन हिलसा बांग्लादेश पहुंची और अतिरिक्त 150 से 200 टन की प्रक्रिया भी चल रही थी। इनमें बड़ी मात्रा गुजरात के भरूच और नर्मदा क्षेत्र की हिलसा की बताई गई है।

इसका कारण स्वाद से ज्यादा अर्थशास्त्र है। बांग्लादेश में पद्मा और मेघना की अच्छी हिलसा लगभग 2,200 से 2,800 टका प्रति किलो तक पहुंच सकती है, जबकि गुजरात की हिलसा वहां के थोक बाजार में लगभग 500 से 700 टका प्रति किलो की लागत पर पहुंचती है और खुदरा बाजार में करीब 1,500 से 1,800 टका प्रति किलो में बिक सकती है। यानी बांग्लादेश के लिए गुजरात की हिलसा स्थानीय कमी को पूरा करने का अपेक्षाकृत सस्ता माध्यम बन गई है।यही वह कारण है जहां बांग्लादेश का मौजूदा फैसला सवालों के घेरे में आता है। अगर भारतीय हिलसा वहां की आपूर्ति व्यवस्था, प्रसंस्करण उद्योग और कीमतों को संभालने में उपयोगी है, तो अचानक आयात परमिट रोकने से सबसे सीधा असर वहां के बाजार और उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। दूसरी तरफ भारत में भी इसका असर होगा। पश्चिम बंगाल के व्यापारियों के अनुसार गुजरात में मौजूदा हिलसा की उपलब्धता भी सीमित हो चुकी है और कोलकाता के बाजार में म्यांमार की हिलसा ही एक प्रमुख विकल्प बच सकती है।भारत के लिए दूसरी बड़ी चुनौती घरेलू उत्पादन की है। पश्चिम बंगाल में हिलसा का उत्पादन वर्ष 2001 के करीब 80 हजार टन से घटकर 2013 में लगभग 15 हजार टन और 2020 में करीब 10 हजार टन रह गया था। इसके पीछे बंगाल की खाड़ी में अत्यधिक मछली पकड़ने को एक प्रमुख कारण बताया गया है। इसी कमी ने गुजरात की हिलसा के लिए बाजार तैयार किया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसार गुजरात ने 2025–26 में करीब 14,588 टन हिलसा का उत्पादन किया।

वहीं बांग्लादेश में भी हिलसा का उत्पादन गिरा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वार्षिक उत्पादन 2022 के 5,71,324 टन से घटकर 2025 में करीब 5 लाख टन रह गया। इसी दौरान कीमतों में भारी उछाल आया। ऐसे में भारत से आने वाली अपेक्षाकृत सस्ती हिलसा की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है।

मगर सबसे बड़ा खतरा उपभोक्ता भरोसे का है। पश्चिम बंगाल और दिल्ली जैसे बाजारों में गुजरात और गंगा की हिलसा में अंतर करना कई खरीदारों के लिए आसान नहीं है। कुछ व्यापारियों ने खुद माना कि खरीदार को यह पता लगाना कठिन हो सकता है कि मछली वास्तव में कहां की है। ऐसे में गलत नाम से बिक्री का आरोप सिर्फ व्यापारिक विवाद नहीं,

आनंद चतुर्दशी और भगवान श्री हरि विष्णु

डॉ दिलीप कुमार सिंह मौसम विज्ञानी ज्योतिष शिरोमणि

अनंत चतुर्दशी भगवान श्री हरि विष्णु का व्रत है जो सनातन धर्म के प्रमुख व्रत में गिना जाता है इस दिन क्षीरसागर में सोए हुए श्री हरि विष्णु भगवान अर्थात अनंत की पूजा की जाती है जिनका चरण देवी मां लक्ष्मी दबते रहते हैं और जो शेषनाग के ऊपर आराम से लेते रहते हैं इसका वैज्ञानिक अर्थ है कि संपूर्ण गुरुत्वाकर्षण के केंद्र भाग में भगवान श्री हरि विष्णु अपनी धनात्मक ऊर्जा और देवी लक्ष्मी की रचनात्मक ऊर्जा अर्थात प्रोटॉन इलेक्ट्रॉन के रूप में रहते हैं और न्यूट्रॉन के रूप में संपूर्ण गुरुत्वाकर्षण उनमें समय रहता है और क्षीरसागर एक ऐसा अनंत समुद्र है जिसमें ऊर्जा द्रव्यमान विद्युत चुंबकत्व और गुरुत्वाकर्षण एकाकार हो जाता है। यह महान व्रत उदया तिथि के अनुसार भादो महीने के शुक्ल पक्ष 14 के दिन मनाया जाता है इस बार यह शुक्रवार को पड़ रहा है क्योंकि 24 सितंबर को चतुर्दशी की तिथि रात में 11रू18 पर लग रही है और 25 सितंबर को 11रू06 पर समाप्त हो रही इस प्रकार पूजा पाठ का शुभ मुहूर्त सुबह 6रू11 से 11रू05 तक रहेगा

अनंत चतुर्दशी को 14 गांठ वाला धागा पूजा पाठ के समापन पर पुरुष अपने दाहिने हाथ और महिलाएं बाएं हाथ में बांधती हैं जो धरती आकाश पाताल के 14 लोगों का प्रतीक है जिसमें तल अतल वितल सुतल तलातल रसातल और पाताल एवं जन तप मह भुव बह्म शिवलोक और सत्यलोक आते हैं

इस व्रत के समापन के पश्चात विष्णु पुराण और नारद पुराण में वर्णित अनंत भगवान की कथा को पढ़ना चाहिए जिसमें अनंत पांच लाख खराब प्रकाश वर्ष में फैले हुए अनंत ब्रह्मांड के गुरुत्वाकर्षण का भगवान श्री हरि विष्णु प्रोटॉन और माता लक्ष्मी इलेक्ट्रॉन एवं बैकुंठ लोग न्यूट्रॉन का प्रतीक है और समग्र द्रव्य और ऊर्जा एवं श्वेत पदार्थ तथा श्याम पदार्थ पदार्थ और प्रति पदार्थ ऊर्जा और प्रतीक ऊर्जा चीयर सागर में समाहित रहती है जिसके एक सिरे पर कृष्ण विवाह और दूसरे सिरे पर श्वेत विवर होता है और अनंत चतुर्दशी के दिन ही अंतिम रूप से गणेश पूजा के बाद भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन भी किया जाता है।

दवा कंपनियों की लूट पर सुप्रीम कोर्ट ने की सख्त टिप्पणी, दिनदहाड़े डकैती और वसूली पर प्रशासन चुप क्यों है?

नीरज कुमार दुबे

अगर दवा की वास्तविक आपूर्ति कीमत और मरीज से वसूले जाने वाले मूल्य के बीच इतना बड़ा अंतर हो सकता है, तो मूल्य–निर्धारण की निगरानी कौन कर रहा है? अगर नियामक संस्थाएं मौजूद हैं, तो ऐसी कीमतें बाजार में पहुंचती कैसे हैं? और अगर नियम हैं, तो उनका पालन कराने की जिम्मेदारी किसकी है?

बीमारी इंसान को केवल शारीरिक रूप से नहीं तोड़ती, बल्कि इलाज का खर्च कई परिवारों की आर्थिक कमर भी तोड़ देता है। ऐसे समय में जब कोई परिवार कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहा हो, तब जीवन बचाने वाली दवा की कीमत में दस गुना तक का अंतर सामने आए तो सवाल सिर्फ महंगी दवा का नहीं रह जाता, बल्कि पूरी व्यवस्था की जवाबदेही का बन जाता है। हम आपको बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को दवाओं की कीमतों में इसी भयावह अंतर पर गंभीर चिंता जताते हुए ऐसे सवाल उठाए हैं, जिनका जवाब सरकार, दवा कंपनियों, नियामक संस्थाओं और अस्पतालों, सभी को देना होगा।मामला उस समय बेहद गंभीर हो गया जब अदालत के सामने बताया गया कि कैंसर की एक आवश्यक दवा खुदरा विक्रेताओं को करीब 2,700 रुपये में उपलब्ध कराई जाती है, लेकिन उसी दवा पर 27,000 रुपये का अधिकतम खुदरा मूल्य अंकित है। यानी खुदरा मूल्य उस कीमत का लगभग दस गुना है जिस पर दवा खुदरा विक्रेता तक पहुंच रही है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने इस अंतर पर कड़ा सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर किसी मरीज से इतनी बड़ी रकम क्यों वसूली जानी चाहिए और जिन अधिकारियों को ऐसी व्यवस्था पर निगरानी रखनी चाहिए, वे चुप क्यों हैं।देखा जाये तो यहां से सवालों की पूरी श्रृंखला शुरू होती है। अगर दवा की वास्तविक आपूर्ति कीमत और मरीज से वसूले जाने वाले मूल्य के बीच इतना बड़ा अंतर हो सकता है, तो मूल्य–निर्धारण की निगरानी कौन कर रहा है? अगर नियामक संस्थाएं मौजूद हैं तो ऐसी कीमतें बाजार में पहुंचती कैसे हैं? और अगर नियम हैं तो उनका पालन कराने की जिम्मेदारी किसकी है?सर्वोच्च न्यायालय ने इस अंतर को लेकर बेहद कठोर भाषा का इस्तेमाल किया और इसे मरीजों के साथ 'दिनदहाड़े डकैती' तथा 'वसूली' जैसे शब्दों से जोड़ा। अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि जब जीवनरक्षक दवा की कीमत इतनी अधिक हो जाती है तो मजबूर मरीज क्या करे? अदालत के समक्ष यह बात भी रखी गई कि इलाज के लिए परिवारों को मकान और गहने तक बेचने पड़ते हैं। यही इस पूरे ममले का सबसे दर्दनाक पहलू है।देखा जाये तो एक स्वस्थ व्यक्ति किसी वस्तु की ऊंची कीमत देखकर उसे खरीदने से इंकार कर सकता है, लेकिन गंभीर बीमारी से जूझ रहा मरीज दवा को आसानी से मना नहीं कर सकता। कैंसर की दवा, हृदय की दवा या किसी दूसरी गंभीर बीमारी की आवश्यक औषधि उसके लिए विलासिता नहीं, जिंदगी की जरूरत है। ऐसे में मरीज और उसके परिवार की मजबूरी ही बाजार में उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन जाती है।सवाल यह भी है कि क्या किसी अस्पताल की अपनी दवा दुकान से ही दवा खरीदने के लिए मरीज को मजबूर किया जाना चाहिए? हम आपको बता दें कि याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि कुछ निजी अस्पताल मरीजों को बाहर से सस्ती दवा खरीदने की अनुमति नहीं देते और अस्पताल की ही दवा दुकान से महंगी दवा लेने के लिए मजबूर करते हैं। इन आरोपों की अंतिम कानूनी पुष्टि होना अभी बाकी है, लेकिन अदालत ने इन परिस्थितियों और कीमतों के अंतर को गंभीरता से लिया है।देखा जाये तो मामला तब और गंभीर हो जाता है जब सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का पैसा इसमें शामिल हो। सर्वोच्च न्यायालय ने चिंता जताई कि यदि किसी सरकारी स्वास्थ्य योजना के तहत अस्पताल महंगी कीमत पर दवा की प्रतिपूर्ति हासिल करता है, तो अंततः उस खर्च का भार करदाताओं पर पड़ सकता है। अदालत ने ऐसी स्थिति में सार्वजनिक धन के दुरुपयोग की आशंका पर भी सवाल उठाया।

यहां सरकार और नियामक तंत्र से एक और बड़ा सवाल है। जब दवाओं की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए व्यवस्था मौजूद है, तो क्या उसका दायरा पर्याप्त है? सुनवाई के दौरान यह मुद्दा सामने आया कि कई दवाएं मूल्य–सीमा के दायरे से बाहर हैं और गैर–अनुसूचित दवाओं की शुरुआती कीमत तय करने को लेकर नियामकीय खालीपन मौजूद है। हालांकि इस पूरे मामले में यह भी

जरूरी है कि हर ऊंची कीमत को अपने आप घोटाला या हर अस्पताल और दवा कंपनी को दोषी न माना जाए। अस्पतालों के एक प्रमुख संगठन ने हाल में कहा है कि दवाओं का अधिकतम खुदरा मूल्य अस्पताल तय नहीं करते और खरीद कीमत तथा मरीज से लिए गए मूल्य के अंतर को अलग–अलग परिस्थितियों में जांचना चाहिए। इसलिए असली जरूरत पारदर्शी जांच, कीमतों की स्पष्ट जानकारी और जिम्मेदारी तय करने की है। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय की मौजूदा सुनवाई ने कम से कम एक महत्वपूर्ण दरवाजा खोल दिया है कि अब सवाल पूछा जा रहा है।

और आम आदमी के लिए यही सबसे बड़ी उम्मीद है। अदालत ने केवल महंगी दवा की शिकायत सुनकर मामला आगे नहीं बढ़ाया, बल्कि यह पूछा कि कीमत तय करने की व्यवस्था क्या है, नियामक कहां है,

मोहनलालगंज में घर की चारदीवारी में मिली महिला की लाश, तीन संदिग्ध हिरासत में

लखनऊ, (संवाददाता)। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के पद्मिनी खेड़ा गांव में गुरुवार देर रात करीब एक बजे घर की चारदीवारी के भीतर करीब 60 वर्षीय महिला अचेत अवस्था में पड़ी मिली। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और महिला को तत्काल एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहनलालगंज भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों की मौजूदगी में पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।घटना की जानकारी मिलने के बाद उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच के लिए पुलिस टीम गठित की। पुलिस ने तीन संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि पूछताछ और साक्ष्यों से सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौके पर पुलिस बल तैनात है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है। मामले में अन्य आवश्यक कानूनी कार्रवाई जारी है।

हसनगंज पुलिस ने 2012 से फरार वारंटी को सीतापुर से गिरफ्तार किया

लखनऊ, (संवाददाता)। हसनगंज पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के मामले में करीब 35 वर्षीय वारंटी धरमवीर को सीतापुर के तंबौर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ वर्ष 2011 में दर्ज मुकदमे में न्यायालय एडीजे–16 लखनऊ द्वारा वाद संख्या 581/2012 में गैर जमानती वारंट जारी किया गया था।पुलिस के अनुसार उपनिरीक्षक राजकुमार तिवारी वारंटी की तलाश और गिरफ्तारी के लिए तंबौर, सीतापुर रवाना हुए थे। आरोपी के बताए पते पर दबिश देने पर धरमवीर पुत्र राम स्वरूप निवासी गुड़ियन टोला, थाना तंबौर, जिला सीतापुर घर के बाहर मिला।

नव अंशिका फाउण्डेशन सीजन-3 ”गोल्डन गाला अवार्ड 2026“ में बिखरा अभिनेत्री सारा खान का जलवा

गोमती नगर के विराज खंड के नक्षत्र होटल में आयोजित इस जश्न में पायल सिंह की अगुआई में हुई मंगलमुखी सर्व सुखी कामना से स्वाभिमान की श्री चाल

रिपोर्ट – सुल्तान शहरयार खान

लखनऊ। नव अंशिका फाउण्डेशन के सातवें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सीजन–3 ”गोल्डन गाला अवार्ड 2026“ का आयोजन 24 सितम्बर को गोमती नगर के विराज खंड स्थित नक्षत्र होटल में किया गया। इस समारोह में स्टार प्लस के बेहद लोकप्रिय धारावाहिक ‘सपना बाबुल का... बिदाई’ में ‘साधना’ का मुख्य किरदार निभाने वाली पॉपुलर टीवी एक्ट्रेस सारा खान सेलिब्रिटी गेस्ट रहीं। इस अवसर सारा खान ने कहा कि इंसानियत का धर्म सर्वोपरि है। यही संदेश देने वह खासतौर से गंगाजमुनी तहजीब के शहर लखनऊ आई हैं।

”गोल्डन गाला अवार्ड 2026“ सेरेमनी में पायल सिंह की अगुआई में ‘मंगलमुखी सर्व सुखी कामना से स्वाभिमान की श्री चाल’। इसमें विश्व शान्ति और राष्ट्र उन्नति की कामना से मंगलामुखियों ने आकर्षक और प्रेरक रैंप वॉक कर तालियां अर्जित की। सर्वकल्याण की कामना से आयोजित यह सत्र अपनी तरह का शहर में अनोखा आयोजन रहा।

फाउण्डेशन की निर्देशिका नीशू त्यागी की परिकल्पना और निर्देशन में ”गोल्डन गाला अवार्ड 2026“ में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों को अलंकृत किया गया। इस अवसर पर इलेक्ट्रिफाइंग कल्चरल शो भी आकर्षण का केन्द्र बना।सीजन–3 ”गोल्डन गाला अवार्ड 2026“ द एचबीएन इवेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक मोहम्मद बदर, सेलिब्रिटी फैशन डिजाइनर ओमदीप मोतियानी, मिठाई वाला के मालिक मयंक जयसवाल, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अभिनेत्री पायल सिंह, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया सचिवालय शाखा के मैनेजर शेखर पांडे, मिजू लेजर एंड ट्रेडिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की निदेशिका प्रियंका यादव, अंतरराष्ट्रीय कथक गुरु पंडित अनुज मिश्रा, आर्ट प्रमोटर जगमोहन रावत, सहित संजन सिंह, अनामिका सिंह, उर्वशी तिवारी आदि को भी अलंकृत किया गया।

नव अंशिका प्राइड अवार्ड – मुख्य अतिथि राहुल गुप्ता, विशिष्ट अतिथि रमेश गुप्ता और राकेश कुमार पांडे को दिया गया। इस क्रम में नीरा लोहानी, पूनम पांडे, प्रिया गुप्ता, समीर कुरैशी, अनूप मिश्रा अपूर्व, आकिब कमाल, परवेज आलमगीर, मोहम्मद सफीर सिद्दीकी, सुल्तान शहरयार खान, पूनम लता, कामरान खान, विजयलक्ष्मी गौतम, नीलम गौतम, अंशिका मिश्रा, डॉ. नवल किशोर त्रिपाठी, पंकज श्रीवास्तव, प्रवीण जायसवाल, धीरेन्द्र मिश्र, अब्दुल वाहिद, अमित कृष्णा, नील मोहन, नितेश कुमार राज, रहीम जमाल, प्रियंका सिंह रघुवंशी, नितेश चौहान, अंकुर यादव, अमन परिहार, मिस्टर आर्यन, अनिरुद्ध चौहान, डॉ अरुण कुमार, अनूप त्रिपाठी, चंदन, अन्नू भाई, सीमा सिंह, रोहित सिंह, आमिर मुख्तार, तन्वी त्रिपाठी, मंजू बिष्ट, सहित हिमांशु द्विवेदी, पंकज सहित अन्य का सम्मान किया गया। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथियों में नक्षत्र के नीरज, दबीर सिद्दीकी सहित अन्य विशिष्ट जन उपस्थित रहे।

बीबीएयू में वृद्धावस्था में गरिमा देखभाल और पीढ़ियों के बीच संबंधों पर कार्यशाला

लखनऊ, (संवाददाता) बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के सामाजिक समावेशन अध्ययन केंद्र की ओर से सेकेंड इनिंग सीनियर सिटीजन्स क्लब, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में ‘गरिमा के साथ वृद्धावस्थारू साथ, देखभाल और पीढ़ियों के बीच रिश्ते’ विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल ने की। कार्यक्रम में सेकेंड इनिंग सीनियर सिटीजन्स क्लब के अतुल दुबे, मुख्य परिचालन अधिकारी शैलेन्द्र मोहन तथा सामाजिक समावेशन अध्ययन केंद्र की निदेशक प्रो. जया श्रीवास्तव मंचासीन रहीं।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। आयोजन समिति की ओर से मंचासीन अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इसके बाद प्रो. जया श्रीवास्तव ने उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्य और रूपरेखा की जानकारी दी।कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहा कि विश्वविद्यालय की जिम्मेदारी केवल विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनमें समाज के प्रति दायित्व और संवेदनशीलता विकसित करना भी महत्वपूर्ण है। बुजुर्गों का सम्मान भारतीय संस्कृति और सामाजिक मूल्यों में गहराई से जुड़ा हुआ है। आवश्यकता है कि इन मूल्यों को केवल विचारों और शब्दों तक सीमित न रखकर व्यवहार और दैनिक जीवन में भी अपनाया जाए। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में बुजुर्गों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता, सहानुभूति और सामाजिक दायित्व की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ विद्यार्थियों को मानवीय मूल्यों से जोड़ती है। कुलपति ने विश्वविद्यालय की ओर से इस पहल को आगे बढ़ाने में सामाजिक समावेशन अध्ययन केंद्र को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया।प्रो. जया श्रीवास्तव ने कहा कि रोजगार और बेहतर करियर की तलाश में बच्चों के दूसरे शहरों और देशों में चले जाने के कारण बड़ी संख्या में बुजुर्ग माता–पिता अकेले जीवन व्यतीत कर रहे हैं। ऐसे में शहरी भारत में अकेलापन बुजुर्गों के जीवन की गंभीर सामाजिक चुनौती के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक जुड़ाव केवल साथ रहने तक सीमित नहीं है, बल्कि संवाद करना, किसी की बात ध्यान से सुनना और उसके साथ समय बिताना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी वरिष्ठ नागरिकों के साथ समय बिताकर उनके अनुभवों और जीवन की सीख से जुड़ सकेंगे, जबकि वरिष्ठ नागरिकों को संवाद, अपनत्व और भावनात्मक सहयोग का अवसर मिलेगा।सेकेंड इनिंग सीनियर सिटीजन्स क्लब के अतुल दुबे ने कहा कि क्लब से जुड़े कई वरिष्ठ नागरिकों के बच्चे रोजगार और अन्य कारणों से दूसरे शहरों या देशों में रहते हैं। ऐसे बुजुर्गों को केवल आर्थिक सहायता या भौतिक सुविधाओं की ही आवश्यकता नहीं होती, बल्कि किसी अपने के साथ बातचीत करने, अपनी बातें साझा करने और कुछ समय साथ बिताने की भी जरूरत होती है। युवाओं के उनके साथ समय बिताने, संवाद करने और उनकी बातें सुनने से वरिष्ठ नागरिकों को अपनत्व और परिवार जैसा भाव मिलता है। इससे उनके जीवन में सकारात्मकता और भावनात्मक जुड़ाव बढ़ता है।शैलेन्द्र मोहन ने क्लब की ओर से वरिष्ठ नागरिकों के हित और कल्याण के लिए किए जा रहे विभिन्न सामाजिक कार्यों और गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि क्लब की गतिविधियों के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को आपसी संवाद, सहभागिता और सामाजिक जुड़ाव के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों और अन्य लोगों से क्लब की गतिविधियों से जुड़ने तथा समाज में वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने का आह्वान किया।कार्यक्रम के अंत में प्रो. रुद्र साहू ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजाजीपुरम में दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर

लखनऊ(संवाददाता)। तालकटोरा थाना क्षेत्र के राजाजीपुरम ई–ब्लॉक टैम्पो स्टैंड के पास गुरुवार को दो मोटरसाइकिलों की आमने–सामने टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही तालकटोरा पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई।पुलिस के अनुसार दुर्घटना में एक मोटरसाइकिल चला रहे मुन्ना पुत्र शंभू, निवासी राजाजीपुरम, लखनऊ, उम्र करीब 62 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे के बाद उनकी मृत्यु हो गई। मृतक की मोटरसाइकिल का पंजीकरण संख्या यूपी32एफएफ8457 है, जबकि दुर्घटना में शामिल दूसरी मोटरसाइकिल का पंजीकरण संख्या यूपी32डीएम1658 बताया गया है।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव के संबंध में पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है। पुलिस दुर्घटना के कारणों और उससे जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है तथा नियमानुसार आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सपा ने शिक्षक निर्वाचन में आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत की

लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को ज्ञापन सौंपकर बरेली–मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन–2026 में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत की है। पार्टी ने मुरादाबाद स्थित जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के कर्मचारी जीत सिंह पर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों के पक्ष में प्रचार करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में कार्यरत जीत सिंह एक विद्यालय के निजी वाहन का इस्तेमाल कर भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं। पार्टी का कहना है कि उक्त वाहन का उपयोग विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। इसके अलावा जीत सिंह द्वारा मुरादाबाद के शिक्षकों के वाट्सऐप समूहों में भाजपा प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों को चुनाव में विजयी बनाने की अपील की जा रही है और उन्हें जीत की अग्रिम बधाई भी दी जा रही है। समाजवादी पार्टी ने इन संदेशों और पोस्टों को भी शिकायत के साथ मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भेजे जाने की बात कही है।ज्ञापन में कहा गया है कि भारत निर्वाचन आयोग ने 22 सितंबर 2026 को उत्तर प्रदेश विधान परिषद की शिक्षक और स्नातक निर्वाचन सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित किया था और इसके साथ ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई थी। समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया कि कर्मचारी द्वारा आचार संहिता का उल्लंघन किए जाने की शिकायत जिला निर्वाचन अधिकारी, मुरादाबाद से किए जाने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।पार्टी ने मांग की है कि मामले की जांच कर जीत सिंह के विरुद्ध आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के संबंध में सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की जाए और उन्हें तत्काल निलंबित किया जाए। ज्ञापन में गिरफ्तारी और जेल भेजने की भी मांग की गई है। पार्टी का कहना है कि कार्रवाई से बरेली–मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन–2026 की प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष, स्वतंत्र और निर्भीक तरीके से संपन्न कराने में मदद मिलेगी।मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में के.के. श्रीवास्तव, डॉ. हरिश्चन्द्र और राधेश्याम सिंह शामिल रहे। प्रतिनिधिमंडल ने मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की।

भाजपा में संगठन स्तर पर बड़े बदलाव, धर्मपाल को उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी

लखनऊ, (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने संगठन स्तर पर कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की हैं। पार्टी के केंद्रीय कार्यालय से जारी सूची के अनुसार धर्मपाल को उत्तर प्रदेश का प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। धर्मपाल इससे पहले भी उत्तर प्रदेश भाजपा संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।जारी सूची के अनुसार मानस मोहंती को ओडिशा का प्रदेश महामंत्री (संगठन) तथा मंत्री श्रीनिवासुलु को पंजाब और चंडीगढ़ का प्रदेश महामंत्री (संगठन) बनाया गया है। अमिताभ चक्रवर्ती को पश्चिम बंगाल का प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया गया है। अभय गिरी को ब्रज क्षेत्र का संगठक तथा अनंत नारायण मिश्र को भागलपुर, पूर्णिया और कोसी क्षेत्र का संगठक बनाया गया है।पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर पर भी संगठनात्मक जिम्मेदारियों में बदलाव किया है। शिवप्रकाश को आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और गोवा का राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) बनाया गया है, जबकि सौदान सिंह को बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल की जिम्मेदारी दी गई है। वी. सतीश को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति मोर्चा तथा संसदीय कार्यालय का संगठक बनाया गया है। नागेन्द्र को वरिष्ठ कार्यकर्ता संपर्क की जिम्मेदारी सौंपी गई है।अजय जामवाल को महाराष्ट्र का प्रदेश महामंत्री (संगठन), सतीश धोंड को महाराष्ट्र का प्रदेश सह महामंत्री (संगठन) तथा गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र में जनजाति संपर्क की जिम्मेदारी दी गई है। मधुकर को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का प्रदेश महामंत्री (संगठन), दशरथ को तेलंगाना का प्रदेश सह महामंत्री (संगठन) तथा रवींद्र राजू को असम और त्रिपुरा के साथ कार्यालय निर्माण की जिम्मेदारी दी गई है।भीखूभाई दलसानिया को बिहार का प्रदेश महामंत्री (संगठन), पवन साई को झारखंड, सिद्धार्थन को हिमाचल प्रदेश, रत्नाकर को गुजरात तथा दादरा नगर हवेली एवं दमन और दीव का प्रदेश महामंत्री (संगठन) बनाया गया है। अरुण बिन्नाडी को गुजरात का प्रदेश सह महामंत्री (संगठन), फणीन्द्रनाथ शर्मा को उत्तराखंड, पवन राणा को दिल्ली और हरियाणा तथा कर्मवीर को छत्तीसगढ़ का प्रदेश महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया गया है। चन्द्रशेखर को मध्य प्रदेश का प्रदेश महामंत्री (संगठन) बनाया गया है।भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से प्रभावी होंगी। प्रतिलिपि सभी प्रदेश अध्यक्षों और प्रदेश महामंत्री (संगठन) को सूचनार्थ भेजी गई है।

उत्तर प्रदेश में उत्तर-दक्षिण सड़क संपर्क मजबूत करने के लिए छह कारिडोर चयनित

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम हिस्सों के बीच तेज, सुगम और बेहतर सड़क संपर्क विकसित करने की दिशा में उत्तर–दक्षिण कॉरिडोर योजना पर काम किया जा रहा है। प्रदेश की विशाल आबादी, भौगोलिक विस्तार, कृषि और औद्योगिक क्षमता के साथ नेपाल सहित पड़ोसी राज्यों से जुड़ी सीमाओं को देखते हुए उत्तर–दक्षिण दिशा में मजबूत सड़क नेटवर्क विकसित करने को महत्वपूर्ण माना गया है। वर्तमान में प्रदेश के अधिकांश प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग और द्रुतगामी मार्ग मुख्य रूप से पूर्व–पश्चिम आवागमन को सुगम बनाते हैं। ऐसे में नेपाल सीमा से लगे जिलों को प्रदेश के मध्य और दक्षिणी हिस्सों के महत्वपूर्ण जिलों के साथ–साथ मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों से बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने की योजना तैयार की गई है।उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में उत्तर–दक्षिण कॉरिडोर के लिए नई मद सृजित कर 200 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है। योजना के तहत नए मार्गों के निर्माण के साथ मौजूदा सड़कों का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और पुनर्निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इसका उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के बीच आवागमन आसान बनाने के साथ कृषि उत्पादों की ढुलाई, स्थानीय व्यापार, औद्योगिक गतिविधियों और रोजगार से जुड़ी आर्थिक गतिविधियों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराना है।उत्तर प्रदेश में पहले से विकसित द्रुतगामी मार्गों और राजमार्गों को उत्तर से दक्षिण दिशा में जोड़ने के लिए योजना के तहत छह कॉरिडोर का चयन किया गया है। इनके माध्यम से नेपाल सीमा से लगे जिलों को प्रदेश के मध्य और दक्षिणी क्षेत्रों से जोड़ने के साथ राज्य का अन्य प्रमुख राज्यों से सड़क संपर्क मजबूत करने की परिकल्पना की गई है। इससे उन क्षेत्रों को भी बेहतर संपर्क मिलने की उम्मीद है, जहां प्रमुख राजमार्गों और द्रुतगामी मार्गों तक पहुंच अभी अपेक्षाकृत सीमित है।योजना के तहत [illegible] कॉरिडोर को भी शामिल किया गया है। इसके अंतर्गत देवरिया–कसया मार्ग के किलोमीटर 31.05 और देवरिया–बरहज मार्ग के किलोमीटर 21.750 हिस्से में चार लेन चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण को मंजूरी दी गई है। देवरिया–कसया मार्ग के लिए 292.067 करोड़ रुपये और देवरिया–बरहज मार्ग के लिए 172.26 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत निर्धारित की गई है। इन कार्यों से क्षेत्र में सड़क यातायात की क्षमता बढ़ने और आवागमन सुगम होने की संभावना है। कुशीनगर, देवरिया, बरहज और आसपास के क्षेत्रों के बेहतर सड़क नेटवर्क से जुड़ने से कृषि तथा स्थानीय उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने में भी सुविधा मिल सकती है।सिद्धार्थनगर में बढ़पुर–पिपरहवा मार्ग के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण का कार्य भी उत्तर–दक्षिण कॉरिडोर योजना में शामिल किया गया है। इसके किलोमीटर 0.00 से 9.400 तक कुल 9.400 किलोमीटर मार्ग को चार लेन में विकसित करने के लिए 261.50 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत से कार्य को मंजूरी दी गई है। नेपाल सीमा के निकट स्थित होने के कारण सिद्धार्थनगर क्षेत्र में सड़क संपर्क का महत्व व्यापार, पर्यटन, आवागमन और सीमावर्ती बुनियादी ढांचे के लिहाज से भी हैउत्तर–दक्षिण कॉरिडोर की योजना में पूर्वांचल के विभिन्न जिलों को मजबूत सड़क नेटवर्क से जोड़ने पर विशेष जोर है। पूर्वांचल में कृषि, पर्यटन, धार्मिक स्थलों और व्यापारिक गतिविधियों की मौजूदगी को देखते हुए बेहतर सड़क संपर्क से इन क्षेत्रों की बड़े बाजारों तक पहुंच आसान हो सकती है। नेपाल सीमा से लगे जिलों को प्रदेश के मध्य और दक्षिणी हिस्सों तथा अन्य राज्यों से जोड़ने से मौजूदा प्रमुख मार्गों पर यातायात के दबाव को व्यवस्थित करने में भी मदद मिल सकती हैमजबूत सड़क नेटवर्क को आर्थिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। बेहतर सड़कें यात्रा के समय को कम करने के साथ माल ढुलाई, कृषि उत्पादों के परिवहन और औद्योगिक गतिविधियों को सुगम बनाती हैं। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में भी बुनियादी ढांचे के विकास को महत्वपूर्ण माना गया है। उत्तर–दक्षिण कॉरिडोर के तहत विकसित होने वाला नेटवर्क छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों को बड़े आर्थिक केंद्रों से जोड़ने में सहायक हो सकता है।परियोजनाओं में सड़क की क्षमता बढ़ाने के साथ गुणवत्ता और टिकाऊपन पर भी जोर दिया जा रहा है। मार्गों का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण निर्धारित तकनीकी मानकों, गुणवत्ता और स्वीकृत डिजाइन के अनुरूप किए जाने का प्रावधान है। छह चयनित कॉरिडोर और विभिन्न मार्गों के प्रस्तावित विकास से प्रदेश के सीमावर्ती, पूर्वांचल और मध्यवर्ती क्षेत्रों के बीच सड़क संपर्क को मजबूत करने का आधार तैयार होगा। इनके प्रभावी क्रियान्वयन से आवागमन के साथ व्यापार, कृषि, पर्यटन, रोजगार और निवेश से जुड़ी गतिविधियों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलने की संभावना है। उत्तर–दक्षिण कॉरिडोर को प्रदेश के विभिन्न हिस्सों को बेहतर सड़क संपर्क के माध्यम से एक–दूसरे से जोड़ने की व्यापक योजना के रूप में विकसित किया जा रहा है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में विकसित भारत-2047 और सुशासन पर हुआ विशेष व्याख्यान

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग में गुरुवार को ”किस्सा प्रशासन का रू अध्याय–1 विकसित भारत–2047“ विषय पर विशेष व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम का केंद्रीय विषय ”जन, नीतियां और संभावनाएं“ रहा। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी के संरक्षण में अटल सुशासन पीठ की ओर से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने और दीप प्रज्वलित करने के साथ हुई।विभागाध्यक्ष प्रो. वैशाली सक्सेना ने कार्यक्रम की विषय–वस्तु की भूमिका प्रस्तुत करते हुए किस्सा प्रशासन के प्रथम अध्याय में आपदा प्रबंधन का उल्लेख किया। उन्होंने आपदा के बाद परिस्थितियों से उबरने की क्षमता और प्रशासनिक व्यवस्था की मजबूती पर विशेष जोर दिया।मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी और उत्तर प्रदेश शासन के पूर्व मुख्य सचिव डॉ. अनूप चंद्र पांडेय ने अपने प्रशासनिक अनुभवों के आधार पर सुशासन, सार्वजनिक नीति, प्रशासनिक सुधार और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में प्रशासन की भूमिका, नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने वर्ष 1993 में हुई अल्मोड़ा आपदा को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करते हुए आपदा प्रबंधन और प्रशासनिक कार्यप्रणाली के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे और उन्होंने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने अपने निजी अनुभव साझा करते हुए किस्सों और अनुभवों के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषाओं की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. मैत्री प्रियदर्शी भी उपस्थित रहीं।व्याख्यान के दौरान समावेशी, कुशल, उत्तरदायी और जवाबदेह शासन को विकसित भारत की आधारशिला बताया गया।

प्राचार्य पद की लिखित परीक्षा में 88.81 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने किया प्रतिभाग

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज की विज्ञापन संख्या 02/2026 के तहत प्राचार्य (अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय) पद के लिए लिखित परीक्षा 24 सितंबर को लखनऊ के दो परीक्षा केंद्रों पर प्रथम पाली में सुबह 9रू30 से 11रू30 बजे तक संपन्न हुई। आयोग के अनुसार परीक्षा पारदर्शी, नकलविहीन, शुचितापूर्ण, निर्विघ्न और सुव्यवस्थित वातावरण में कराई गई।परीक्षा के दौरान आयोग में स्थापित समेकित नियंत्रण कक्ष से अध्यक्ष प्रशान्त कुमार, सदस्यगण, सचिव, परीक्षा नियंत्रक और उपसचिव ने दोनों परीक्षा केंद्रों की सघन निगरानी की। परीक्षा केंद्रों पर लगाए गए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कैमरों के माध्यम से परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई। आयोग ने परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए तकनीकी निगरानी की व्यवस्था की थी।

वीबी-जी राम जी योजना से गांवों में रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही मजबूती

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी–जी राम जी योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने के साथ विकास कार्यों और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। प्रदेश में योजना के तहत 1,02,98,296 सक्रिय ग्रामीण श्रमिक विभिन्न विकास कार्यों से जुड़े हैं, जबकि 86,27,727 सक्रिय जॉब कार्ड हैं। योजना के तहत प्रत्येक पंजीकृत ग्रामीण परिवार को एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 125 दिनों के अकुशल मजदूरी रोजगार की कानूनी गारंटी दी गई है।गांव के आसपास ही रोजगार उपलब्ध होने से ग्रामीण परिवारों को स्थानीय स्तर पर आजीविका का आधार मिल रहा है। खासतौर पर महिलाओं को अपने गांव में रोजगार के अवसर मिलने से वे परिवार की आय में योगदान करने के साथ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। राज्य सरकार योजना को केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित न रखते हुए ग्रामीण विकास और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के माध्यम के रूप में लागू कर रही है।योजना के तहत ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार देने के साथ गांवों में उपयोगी और टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण भी किया जा रहा है। विकसित ग्राम पंचायत कार्य योजना के माध्यम से स्थानीय जरूरतों के अनुसार कार्यों का चयन किया जाता है। इनमें जल संरक्षण, अमृत सरोवर, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, वृक्षारोपण और ग्रामीण बुनियादी ढांचे से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।इस व्यवस्था से एक ओर ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर गांवों में ऐसी परिसंपत्तियां विकसित हो रही हैं,

बिग बास 20: ऋति तिवारी को क्यों मिला नेपो स्ट्रगलर का टाइटल? जमकर हो रहीं ट्रोल

सलमान खान के शो बिग बॉस 20 में ऋति तिवारी खूब चर्चा बटोर रही हैं, जो मनोज तिवारी की बेटी हैं। हालिया एपिसोड में, काजी तौकीर के साथ बहसबाजी करने के लिए दर्शकों ने उन्हें सबसे परेशान करने वाली प्रतियोगी बताया था। अब सोशल मीडिया पर उन्हें बाजार में नई नेपो स्ट्रगलर कहकर ट्रोल किया जा रहा है। इसका कारण ऋति का अपनी जिंदगी से जुड़े संघर्ष को लेकर खुलासा करना है, जो दर्शकों का ध्यान खींच रहा है।ऋति ने अपने संघर्षों को याद करते हुए कहा, मुझे महीने में 20 से 25,000 रुपये का भत्ता मिलता था। क्या आपको लगता है कि कोई इतने में एक महीना गुजार सकता है? मैं कभी–कभी दिन में 10 रुपये का वड़ा पाव खाती हूं कि पेट भर जाए। 500 रुपये का डीजल भरवाती हूं। हर कोई सोचता है कि मैं बहुत अमीर घर में पली–बढ़ी हूं, लेकिन नहीं, मैं तो बस एक आम इंसान हूं। इसलिए गुजारा करना मुश्किल है

ऋति के दावों पर एक यूजर ने लिखा, क्या तुम पागल हो? 25,000 तो भारतीयों की औसत तनख्वाह है। ये बेतुका है, तुम बस अपना ही मजाक उड़ा रही हो।दूसरे ने मजाक उड़ाते हुए लिखा, उनका संघर्ष अनन्या पांडे से कहीं ज्यादा मुश्किल है।एक यूजर ने सवाल पूछते हुए लिखा, ये किस तरह की गरीबी है?बता दें कि ऋति, मनोज और उनकी पहली पत्नी रानी तिवारी की बेटी हैं। दोनों का 2012 में तलाक हो गया था।

काम से मिलने वाला सुकून है सफलता की असली निशानी: नायला ग्रेवाल

एक कलाकार के लिए सफलता का मतलब समय के साथ बदलता रहता है। करियर की शुरुआत में जहां बड़े सपने अक्सर घर, गाड़ी, नाम और पहचान जैसी चीजों से जुड़े होते हैं, वहीं अनुभव बढ़ने के साथ काम से मिलने वाली खुशी और संतुष्टि ज्यादा मायने रखने लगती है। एक्ट्रेस नायला ग्रेवाल भी अपने करियर के साथ सफलता को देखने का नजरिया बदलने की बात कहती हैं। उन्होंने कहा, करियर की शुरुआत में मेरे लिए सफलता का मतलब बिल्कुल अलग था। शुरुआत में मेरे लिए मुंबई में घर होना, कार खरीदना और दूसरी भौतिक चीजें हासिल करना सफलता का पैमाना था। लेकिन अब मेरे लिए असली सफलता तब है, जब दिनभर सेट पर काम करने के बाद मैं घर लौटूं और मुझे महसूस हो कि मैंने अपना 100 फीसदी दिया है। उन्होंने कहा, मेरे लिए आज के समय में सफलता की परिभाषा किसी बड़ी चीज को हासिल करने से ज्यादा अपने काम से संतुष्ट होना है। लंबे समय तक सेट पर रहने के बाद जब मैं घर लौटती हूं और मुझे लगता है कि मैंने अपने किरदार और काम के लिए पूरी मेहनत की। यही एहसास मेरे लिए सफलता का बड़ा उदाहरण है। मेरे लिए दिन के आखिर में यह महसूस करना जरूरी है कि मैंने अपना समय सही जगह लगाया और अपना बेस्ट देने की कोशिश की।

नायला ने कहा, दर्शकों को काम पसंद आना सफलता का एक बड़ा हिस्सा होता है। जब लोग मेरे काम को पसंद करते हैं और अभिनय को सराहते हैं, तो मुझे लगता है कि मेरी मेहनत सही दिशा में जा रही है। अब मेरे लिए सफलता सिर्फ वह नहीं है, जो बाहर से दिखाई देती है, बल्कि वह एहसास भी है जो किसी प्रोजेक्ट के बाद मुझे अंदर से मिलता है।अपने अब तक के सफर के बारे में बात करते हुए नायला ने कहा, मैंने दिल्ली से अपने एक्टिंग सफर की शुरुआत की थी। कॉलेज के थिएटर से शुरू हुआ यह सफर आज मुझे मुंबई तक ले आया है, जहां मैं अब फुल–टाइम एक्टिंग कर रही हूं। मेरे लिए यह बदलाव खुद में एक बड़ी उपलब्धि है। मेरे लिए अब तक का सफर काफी संतोष देने वाला रहा है, क्योंकि मुझे शुरुआत से ही बेहतरीन निर्देशकों के साथ काम करने का मौका मिला।उन्होंने कहा, मैंने इम्तियाज अली के साथ काम किया है। उनके अलावा, अश्विनी अय्यर तिवारी, अनुभव सिन्हा और हाल में राहुल पांडे के साथ भी काम किया। मैं निर्देशक एटली के साथ भी काम कर रही हूं। इन निर्देशकों के साथ जुड़ना मेरे लिए बेहद खास रहा है। मैं हमेशा अपने करियर में इसी मुकाम तक पहुंचना चाहती थीं। हालांकि, मेरा सफर अभी खत्म नहीं हुआ है। मैं अभी भी सीख रही हूं और आगे बढ़ रही हूं।

कुणाल के साथ काम करने को उतावली थी उर्फी जावेद

उर्फी जावेद ने कहा, जब मैंने पहली बार फिल्म मड़गांव एक्सप्रेस देखी थी, तो मेरे दिमाग में ख्याल आया था कि काश इसके सीक्वल में मुझे काम करने का मौका मिले, कुणाल खेमू कोई रोल दे दें, भले ही वो छोटा हो। फिल्म बहुत ही मजेदार थी। फिर कुछ समय बाद मुझे फिल्म वाइब के लिए कॉल आता है कि कुणाल खेमू की फिल्म में कैमियो रोल करना है। अभिनेत्री ने बताया कि वे कुणाल खेमू के साथ काम करने के लिए इतनी उतावली थी कि बिना कुछ जाने ही इस रोल के लिए हां कर दिया था। उन्होंने कहा, मुझे कुछ भी नहीं जानना है, क्या रोल है या फिर फिल्म की स्टोरी कैसी है मुझे बस यह फिल्म करनी है और मैं बिना सोचे समझे सेट पर पहुंच गई। अभिनेत्री ने सभी से फिल्म देखने की अपील करते हुए कहा, जाकर फिल्म वाइब देखकर आएं। बहुत अच्छी फिल्म है। कुणाल खेमू और कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा का धन्यवाद। थोड़ा स्टोरी डाल दें मुझे टैग करते हुए। छोटा–सा रोल है, पता नहीं इसे आप में से कितने लोगों ने देखा है और अगर नहीं देखा है, तो जरूर देखने जाएं। कुणाल खेमू की फिल्म वाइब में उर्फी जावेद ने डॉक्टर चंचल का एक छोटा सा कैमियो (विशेष भूमिका) निभाया है। उनके इस किरदार के जरिए मुख्य अभिनेता हार्दिक (कुणाल खेमू) की पर्सनालिटी और सीन की पृष्ठभूमि को सेट किया जाता है। (हिफी)

अल्लू अर्जुन की 'राका' ने रचा इतिहास, गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स में दर्ज हुआ नाम

अल्लू अर्जुन ने एक बार फिर भारतीय सिनेमा के लिए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 'पुष्पा' फ्रैंचाइजी की जबरदस्त सफलता के बाद अब उनकी अपकमिंग फिल्म 'राका' ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपनी जगह बना ली है। फिल्म की इस उपलब्धि के साथ अल्लू अर्जुन का इंडियन सिनेमा को ग्लोबल लेवल तक पहुंचाने का विजन भी एक कदम और आगे बढ़ गया है। अल्लू अर्जुन आज देश के सबसे बड़े पैन–इंडिया सुपरस्टार्स में गिने जाते हैं। 'पुष्पा' फ्रैंचाइजी ने उन्हें देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में एक अलग पहचान दिलाई है। अब 'राका' के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल होने के साथ उनके करियर में एक और बड़ा मुकाम जुड़ गया है। इस खास उपलब्धि का जश्न अल्लू अर्जुन ने अपने स्टाइलिश अंदाज में मनाया। एक्टर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह क्लासी ब्लैक बंदगला और मैचिंग ट्राउजर में नजर आए। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, "इस खास मुकाम के लिए।'राका' को मशहूर डायरेक्टर एटली निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म को बड़े स्केल पर तैयार किया जा रहा है और इसके ऐलान के बाद से ही दर्शकों के बीच जबरदस्त एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है। अब तक फिल्म से अल्लू अर्जुन का नया अवतार सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोरी है। 'राका' के अलावा अल्लू अर्जुन के पास कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वह लोकेश कनगराज के साथ मच अवेटेड '।|23' में नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी सुपरहिट फ्रैंचाइजी 'पुष्पा 3रू द रैम्पेज' को लेकर भी फैंस काफी एक्साइटेड हैं। ऐसे में आने वाले समय में अल्लू अर्जुन बड़े पर्दे पर एक के बाद एक कई बड़े सिनेमाई अनुभव लेकर आने वाले हैं।

रश्मिका मंदाना की मैसा की रिलीज डेट का एलान, इमरान हाशमी और आयुष्मान खुराना की फिल्म से होगी टक्कर

रश्मिका मंदाना स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक मैसा की रिलीज डेट का एलान हो गया है. मैसा को फीमेल–लेड पैन–इंडिया फिल्मों में से एक बताया जा रहा है, जिसमें रश्मिका अपने अब तक के सबसे इंटेंस अवतार में नजर आएंगी. मेकर्स की ओर से जारी किए गए कई लुक पोस्टर्स में उनकी झलक ने पहले ही दर्शकों का प्यार बटोर लिया है और फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ा दिया है.

रश्मिका अपनी वर्सेटिलिटी, शानदार स्क्रीन प्रेजेंस और हर किरदार में गहराई लाने के लिए जानी जाती हैं. उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस से लगातार दर्शकों का दिल जीता है. अब मैसा में एक्ट्रेस एक दमदार अवतार में नजर आने वाली हैं, जो उन्हें पहले कभी न देखे गए अंदाज में पेश करने के साथ उनके ऑन–स्क्रीन इमेज को भी एक नया रूप दे सकता है.

मैसा का इंतजार थोड़ा लंबा हो सकता है, क्योंकि यह 27 नवंबर 2026 को रिलीज होने जा रही है. 27 नवंबर को इमरान हाशमी की गनमास्टर जी 9 और आयुष्मान खुराना की यह प्रेम मोल लिया भी रिलीज होने जा रही है. इमरान हाशमी ने आवारापन 2 से दमदार वापसी की है और अब इसका फायदा गनमास्टर जी 9 को मिलने वाला है. वहीं, आयुष्मान लंबे समय से एक बड़ी हिट के लिए तरस रहे हैं. ऐसे में तीनों फिल्मों के एक साथ बॉक्स ऑफिस पर आने से दर्शकों के लिए भी कड़ी परीक्षा होगी, क्योंकि तीनों ही स्टार्स का अच्छा खासा फैन बेस है.

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म से रश्मिका के किरदार की एक इंटेंस झलक शेयर करते हुए रिलीज डेट का ऐलान किया. उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, अनफॉर्मुला फिल्म्स के प्रोडक्शन और रविंद्र पुल्ले के डायरेक्शन में बनी मैसा एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर है, जिसकी कहानी आदिवासी इलाकों की पृष्ठभूमि पर आधारित है. फिल्म में शानदार विजुअल्स, एक ग्रिपिंग कहानी और रश्मिका की यादगार परफॉर्मेंस देखने को मिलेगी.

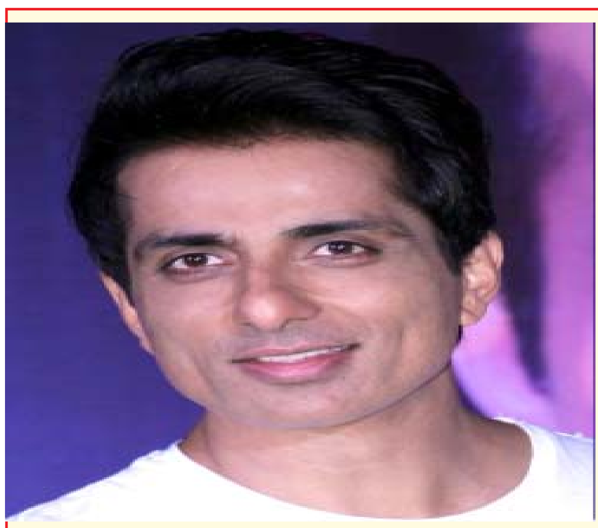

बिहार में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए सोनू सूद, खुद नाव से घर-घर पहुंचा रहे राहत सामग्री

अभिनेता सोनू सूद ने बाढ़ प्रभावित बिहार में जमीनी स्तर पर राहत कार्य तेज कर दिए हैं। वे नाव से प्रभावित गांवों में जाकर जरूरी सामान बांट रहे हैं और लोगों से मिल रहे हैं। एक्स पर शेयर की गई एक जानकारी में, सूद ने कहा कि उनकी टीम उन परिवारों तक पहुंचने के लिए काम कर रही है जिन्हें सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, अभी हम एक गांव से दूसरे गांव जा रहे हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक सामान पहुंचा सकें। इसके बाद हम अगले गांव जाएंगे। हम ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचने की कोशिश करेंगे। सूद ने स्थानीय लोगों और नाव चलाने वालों के सहयोग का भी जिक्र किया जो बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत टीमों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, स्थानीय गांव के कई लोग हमारी मदद के लिए आए हैं। हम उन परिवारों तक पहुचने की कोशिश करेंगे जिन्हें सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। यह मुश्किल है लेकिन हमारे भाई–बहन, नाव चलाने वाले, गाँव वाले, सभी हमारी बहुत मदद कर रहे हैं ताकि हम वहां पहुंच सकें। वीडियो अपडेट में उन्होंने कहा, आप देख सकते हैं कि हमारे पीछे पानी में लोग खड़े हैं। हम उन सभी लोगों तक पहुंचने की कोशिश करेंगे जो परेशान हैं। जय बिहार! जय बिहार! अभिनेता ने बेगूसराय सहित कई इलाकों में अपने राहत कार्यों की चार तस्वीरें शेयर कीं।

भारत ने चीनी डेकोर पेपर पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी बढ़ाई, घरेलू उद्योग को मिलेगी राहत

नई दिल्ली ,24 सितंबर ,। चीन से आयात होने वाले डेकोर पेपर पर एंटी–डंपिंग ड्यूटी की अवधि बढ़ाते हुए भारत सरकार ने घरेलू उद्योग को राहत दी है। वित्त मंत्रालय ने इस शुल्क को 26 मार्च 2027 तक जारी रखने का निर्णय लिया है, ताकि सस्ते आयात के कारण स्थानीय बाजार में पैदा होने वाले दबाव और रोजगार पर पड़ने वाले असर को कम किया जा सके।

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, यह एंटी–डंपिंग ड्यूटी पहले 26 दिसंबर 2026 तक लागू रहने वाली थी, लेकिन अब इसकी अवधि बढ़ाकर 26 मार्च 2027 तक कर दी गई है।

गौरतलब है कि दिसंबर 2021 में राजस्व विभाग ने चीन से आयात होने वाले डेकोर पेपर पर 110 डॉलर प्रति टन से 542 डॉलर प्रति टन तक की एंटी–डंपिंग ड्यूटी 5 वर्षों के लिए लगाई थी।

नई अधिसूचना में कहा गया है कि चीन से आयात या निर्यात किए जाने वाले डेकोर पेपर पर लागू एंटी–डंपिंग शुल्क को मार्च 2027 तक बढ़ाया जा रहा है। यह फैसला वाणिज्य मंत्रालय के महानिदेशालय व्यापार उपचार (डीजीटीआर) की सिफारिश के आधार पर लिया गया है।

सरकार का कहना है कि अत्यधिक सस्ते आयात से घरेलू उत्पादकों को नुकसान होता है, क्योंकि इससे स्थानीय बाजार में कीमतों पर दबाव बढ़ता है और घरेलू उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता प्रभावित होती है।

एक अलग अधिसूचना में वित्त मंत्रालय ने यह भी बताया कि ईरान, ओमान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आयात होने वाले कैल्साइंड जिप्सम पाउडर पर एंटी–डंपिंग ड्यूटी को भी 16 मार्च 2027 तक बढ़ा दिया गया है।

कैल्साइंड जिप्सम पाउडर को आमतौर पर प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) कहा जाता है और इसका उपयोग निर्माण, फार्मास्युटिकल और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में व्यापक रूप से किया जाता है।

इसके अलावा, सरकार ने चीन से आयात होने वाले नेचुरल माइका बेस्ड पर्ल इंडस्ट्रियल पिगमेंट्स पर भी एंटी–डंपिंग ड्यूटी को अगले वर्ष 25 फरवरी तक बढ़ाने का फैसला किया है।

एंटी–डंपिंग ड्यूटी एक व्यापारिक सुरक्षा उपाय है, जिसे तब लागू किया जाता है जब किसी उत्पाद को घरेलू बाजार में उसकी सामान्य कीमत से कम मूल्य पर बेचा जाता है और इससे स्थानीय उद्योग को नुकसान पहुंचने की आशंका होती है। इसका उद्देश्य आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाना नहीं, बल्कि अनुचित मूल्य निर्धारण के प्रभाव को संतुलित करना होता है।

डेकोर पेपर का उपयोग मुख्य रूप से फर्नीचर और इंटीरियर डेकोरेशन उद्योग में किया जाता है। इसका इस्तेमाल सजावटी लैमिनेट्स, फर्नीचर, कैबिनेट, फ्लोरिंग और अन्य आंतरिक सजावट उत्पादों में व्यापक रूप से होता है।

एशियन गेम्स 2026 : 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में भारतीय पुरुष टीम के हाथ लगी निराशा, स्कीट मिक्स्ड टीम फाइनल में पहुंची

नागोया 24 सितंबर। एशियन गेम्स 2026 में गुरुवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम इवेंट में कमलजीत, केदारलिंग बालकृष्ण और आकाश भारद्वाज की भारतीय पुरुष पिस्टल टीम मेडल जीतने से चूक गई। भारतीय तिकड़ी ने कुल 1727 का स्कोर (53 इनर–10एस के साथ) बनाया लेकिन टीम ब्रॉन्ज मेडल जीतने की रेस में जापान (1730–53–) से हार गई। चीन और इंडोनेशिया दोनों ने 1743–1743 अंक बनाए लेकिन इनर–10 की संख्या के आधार पर चीन को गोल्ड और इंडोनेशिया को सिल्वर मेडल मिला। टाई होने पर इनर–10एस को ही निर्णायक माना गया। वहीं, पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल के व्यक्तिगत फाइनल में कोई भी भारतीय खिलाड़ी नहीं पहुंच सका। कमलजीत 580 स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहे जबकि आकाश 579 स्कोर के साथ 11वें और केदारलिंग उचागनवे 568 स्कोर के साथ 35वें स्थान पर रहे। इस बीच, अनंतजीत सिंह नरुका और परिनाज धालीवाल की भारतीय मिक्स्ड जोड़ी 138 स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर गई है। कतर क्वालिफिकेशन में शीर्ष पर रहा, उसके बाद कोरिया दूसरे और चीन तीसरे स्थान पर रहा।अनंतजीत और परिनाज दोनों बुधवार को भारत की मेडल जीतने वाली स्कीट टीमों का हिस्सा थे। ओलंपियन अनंतजीत ने पुरुष टीम को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने में मदद की थी और परिनाज उस महिला तिकड़ी का हिस्सा थीं जिसने ब्रॉन्ज मेडल जीता था। बुधवार को टीम फाइनल में ईशा सिंह, मनु भाकर और सुरुचि इंदर सिंह की भारतीय तिकड़ी के लिए निराशाजनक अंत हुआ था। वह मेडल जीतने से चूक गई थीं। वहीं, व्यक्तिगत इवेंट में मनु भाकर भी फाइनल में पांचवें स्थान पर रही थीं और कोई मेडल नहीं जीत सकी थीं।

भारत ने एशियन गेम्स 2026 में शूटिंग में अपना पहला मेडल महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में जीता था, जिसमें इलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदर्शा विनोद ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था। इलावेनिल ने इसी इवेंट में व्यक्तिगत सिल्वर मेडल भी जीता। वहीं, हिमांशु ढिल्लों, पार्थ माने और रुद्राक्ष पाटिल ने पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता और इसके बाद व्यक्तिगत इवेंट में हिमांशु और रुद्राक्ष ने क्रमशरू सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल हासिल किए।

भारतीय शेयर बाजार कमजोर वैश्विक संकेतों से लाल निशान में खुला, फाइनेंशियल स्टाक्स पर दबाव

मुंबई ,24 सितंबर ,। कमजोर वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लाल निशान में खुला। सुबह 9रू17 पर सेंसेक्स 628 अंक या 0.84 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,199 और निफ्टी 207 अंक या 0. 88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,299 पर था।शुरुआती कारोबार में गिरावट का नेतृत्व फाइनेंशियल स्टॉक्स कर रहे थे। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी प्राइवेट बैंक करीब 2–2 प्रतिशत की कमजोरी के साथ लूजर्स थे। निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी मेटल, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी कंजप्शन और निफ्टी एनर्जी के साथ करीब सभी सूचकांक लाल निशान में थे।सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, सन फार्मा, एचसीएल टेक, टीसीएस और इन्फोसिस गेनर्स थे। बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, ट्रेंट, एलएंडटी, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, एमएंडएम, भारती एयरटेल और इटरनल लूजर्स थे।लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में कमजोरी के साथ कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 606 अंक या 0.97 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 61,808 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 147 अंक या 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,844 पर था।एक्सपर्ट्स ने कहा कि ब्रेंट क्रूड की कीमत का 102 डॉलर प्रति बैरल के पार जाना और यूएस के 10–साल के बॉन्ड यील्ड का बढ़कर 5. 11 प्रतिशत हो जाना बाजार के लिए नकारात्मक है। जब तक ये दो ग्लोबल चुनौतियां बनी रहेंगी, तब तक मार्केट में तेजी से रिकवरी की संभावना कम ही दिखती है। हाल के मार्केट ट्रेंड में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर लगातार फोकस बना हुआ है। इन सेगमेंट में ग्रोथ

शेयरों में लगातार खरीदारी हो रही है, भले ही उनका वैल्यूएशन ज्यादा है।उन्होंने आगे कहा कि इन मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भारी घरेलू लिक्विडिटी का आना ही इस सेगमेंट के मजबूत बने रहने का मुख्य कारण है। वहीं, सही वैल्यूएशन के बावजूद लार्ज–कैप शेयर सुस्त पड़े हैं। यह ट्रेंड बदलेगा, लेकिन इसका समय कच्चे तेल की कीमतों और बॉन्ड यील्ड के ट्रेंड पर निर्भर करेगा।

ज्यादातर वैश्विक बाजार में कमजोरी देखी जा रही है। टोक्यो, शंघाई, हांगकांग और जकार्ता लाल निशान में थे। अमेरिकी शेयर बाजार भी बुधवार को लाल निशान में बंद हुए थे।

भारतीय शेयर बाजार में एनएसई की सुस्त शुरुआत, 0.84 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ हुआ लिस्ट

मुंबई ,24 सितंबर ,। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने गुरुवार को दलाल स्ट्रीट पर कमजोर शुरुआत की। एनएसई का शेयर बीएसई पर 1,800 रुपए प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुआ, जो उसके इश्यू प्राइस 1,785 रुपए के मुकाबले केवल 0.84 प्रतिशत अधिक है।

लंबे समय से इंतजार किए जा रहे एनएसई का आईपीओ 17 सितंबर से 21 सितंबर तक खुला था और इसे 5.71 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। इश्यू का आकार 22,568.94 करोड़ रुपए था, जबकि निवेशकों ने 90,287.33 करोड़ रुपए की बोलियां लगाईं।

एनएसई आईपीओ का प्राइस बैंड 1,700–1,785 रुपए प्रति शेयर तय किया गया था। यह पूरी तरह ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) था, जिसके तहत मौजूदा शेयरधारकों ने 12.64 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री की।

एनएसई आईपीओ, 2024 में हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपए के आईपीओ के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा पब्लिक इश्यू था।इस बीच, शेयर बाजार में लिस्टिंग से पहले एनएसई आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) तेजी से गिरावट देखी गई थी। बुधवार को प्रीमियम घटकर कथित तौर पर 43 रुपए प्रति शेयर रह गया था।इश्यू खुलने से पहले ग्रे मार्केट में सेंटीमेंट काफी मजबूत था और प्रीमियम लगभग 200 रुपए प्रति शेयर तक पहुंच गया था। इससे 8 प्रतिशत से अधिक के संभावित लिस्टिंग गेन का संकेत मिल रहा था।

एनएसई आईपीओ निवेशकों की विभिन्न श्रेणियों में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) हिस्से में सबसे अधिक मांग देखने को मिली और यह 12.68 गुना सब्सक्राइब हुआ। नॉन–इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) का हिस्सा 6.55 गुना और रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स (आरआईआई) का हिस्सा 1.39 गुना सब्सक्राइब हुआ।एनएसई की आय का एक बड़ा हिस्सा ट्रांजैक्शन चार्ज से आता है। वित्त वर्ष 2026 में ऑपरेशंस से होने वाले राजस्व में ट्रांजैक्शन चार्ज का योगदान 78.65 प्रतिशत रहा। इसमें अकेले ऑप्शंस ट्रेडिंग का योगदान परिचालन राजस्व में 60 प्रतिशत से अधिक था। यह एक्सचेंज की डेरिवेटिव्स गतिविधियों पर निर्भरता को दर्शाता है।एक्सचेंज की प्रमुख बाजार क्षेत्रों में मजबूत मौजूदगी बनी हुई है। वित्त वर्ष 2026 में इक्विटी कैश सेगमेंट में एनएसई की बाजार हिस्सेदारी करीब 93 प्रतिशत, इक्विटी फ्यूचर्स में 99.79 प्रतिशत, प्रीमियम टर्नओवर के आधार पर इक्विटी ऑप्शंस में 74.71 प्रतिशत और करेंसी फ्यूचर्स में 99.48 प्रतिशत रही।हालांकि, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में इक्विटी ऑप्शंस बाजार में एनएसई की हिस्सेदारी घटकर 68.48 प्रतिशत रह गई।

आने वाले वर्षों में चालू खाता घाटा और एफटीए से पैदा हुए अवसरों से रुपया होगा मजबूत: आरबीआई डिप्टी गवर्नर

नई दिल्ली ,24 सितंबर ,। भारतीय रुपया 31 मार्च, 2025 से 16 सितंबर, 2026 तक संचयी रूप से 13.1 प्रतिशत (प्वाइंट–टू–प्वाइंट आधार पर) कमजोर हुआ है। ऐसे में भारतीय मुद्रा के मौजूदा स्तर से न केवल स्थिर होने, बल्कि मजबूत होने की भी पर्याप्त जगह है। यह बयान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने दिया।

उन्होंने कहा, अगर कुछ कहा जाए तो ऐसा लगता है कि रुपए के मौजूदा स्तर से केवल स्थिर होने ही नहीं, बल्कि शायद मजबूत होने की भी पर्याप्त गुंजाइश है। जब पूंजी प्रवाह से जुड़े उपाय पहली बार घोषित किए गए थे, तब बाजार विश्लेषकों ने भी इसी तरह की उम्मीद जताई थी।उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में चालू खाते का घाटा (सीएडी) और कम होना चाहिए। इसकी वजह अर्थव्यवस्था की पारंपरिक मजबूती के साथ–साथ नई ताकतों का उभरना है, जिसमें वस्तुओं के निर्यात में बढ़ती सफलता भी शामिल है।गुप्ता ने मुंबई में एसबीआई के एक सम्मेलन में कहा, आरबीआई विदेशी मुद्रा बाजार में व्यवस्थित परिस्थितियां सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसके पास कई दशकों के सीएडी या भुगतान संतुलन (बीओपी) के शुद्ध घाटे को पूरा करने की क्षमता है।भारत परंपरागत रूप से चालू खाते में मामूली घाटा और पूंजी खाते में बड़ा अधिशेष दर्ज करता रहा है, जिसके परिणामस्वरूप भुगतान संतुलन (बीओपी) सकारात्मक रहा है।

जीडीपी के प्रतिशत के रूप में भारत का सीएडी समय के साथ कम हुआ है, जिससे भुगतान संतुलन को मजबूती मिली है।

गुप्ता ने विस्तार से बताया, इसके अलावा, सीएडी का स्तर उन स्तरों से काफी नीचे रहा है, जिन्हें आमतौर पर उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए उचित माना जाता है। शुद्ध सेवा निर्यात और प्रेषण भारत की बड़ी संरचनात्मक ताकत बने हुए हैं। दोनों मिलकर इतने बड़े और मजबूत हैं कि वस्तुओं के व्यापार घाटे को संतुलित कर सकें और सीएडी को जीडीपी के 1 प्रतिशत से नीचे बनाए रख सकें।हाल में तेल और सोने की कीमतों में आए झटकों ने अस्थायी रूप से सीएडी को बढ़ा दिया है। इसके अलावा,

पिछले दो वर्षों में पूंजी खाते का अधिशेष सीएडी से कम रहा है। इसके परिणामस्वरूप 2024–25 में करीब 5.0 अरब डॉलर और 2025–26 में 23.6 अरब डॉलर का नकारात्मक बीओपी दर्ज हुआ।

उन्होंने आगे कहा कि वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के इस्तेमाल और देश में अपने तेल भंडार खोजने के प्रयासों के चलते भारत की आयातित तेल पर निर्भरता कम होने की उम्मीद है। इससे जीडीपी के प्रतिशत के रूप में तेल की मांग में लंबे समय से जारी गिरावट की प्रवृत्ति को और मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा, यह उस स्थिति के अतिरिक्त होगा जब संघर्ष समाप्त होने के साथ ही तेल की कीमतें भी स्थिर हो जाएंगी। साथ ही हाल के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के सकारात्मक प्रभाव सामने आने और अनुकूल विनिमय दर के साथ यह मजबूती आगे भी जारी रहेगी।

एशियन गेम्स : अगली बार मेडल का रंग बदलने की कोशिश करुंगी, सिल्वर जीतने के बाद बोलीं रोशिबिना देवी

नागोया ,24 सितंबर ,। एशियन गेम्स 2026 में गुरुवार को नाओरेम रोशिबिना देवी ने यादगार प्रदर्शन किया। मणिपुर की रहने वाली वुशु की इस खिलाड़ी ने 60 किग्रा के सांडा इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। लगातार तीसरे एशियन गेम्स में उनका यह तीसरा मेडल है। रोशिबिना ने अपनी उपलब्धि पर खुशी जताई है। रोशिबिना देवी ने सिल्वर मेडल जीतने के बाद आईएएनएस से कहा, मुझे बहुत खुशी है कि यह भारत का तीसरा मेडल है। यह तीसरा एशियन गेम्स मेडल है और आने वाले गेम्स में हम और भी कड़ी तैयारी करेंगे और मेडल का रंग बदलने का लक्ष्य रखेंगे। रोशिबिना ने 2018 में जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज और 2023 में हांगझोऊ में हुए एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीता था। रोशिबिना एशियाई खेलों में वुशु में लगातार तीन मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।महिलाओं के 60 किग्रा सांडा इवेंट में रोशिबिना देवी ने सिल्वर मेडल जीता। रोशिबिना को फाइनल में चीन की झांग शियाओयू से 0–2 से हार का सामना करना पड़ा और परिणामस्वरूप उन्हें सिल्वर मेडल (रजत पदक) से संतोष करना पड़ा। झांग ने टाइटल बाउट में दबदबा बनाया और दोनों राउंड 5–0 से जीतकर मुकाबला 10–0 से अपने नाम कर लिया।25 साल की इस मणिपुरी एथलीट ने वुशु के कॉम्बैट–स्पोर्ट डिसिप्लिन, सांडा के उसी वेट डिवीजन में दूसरी बार सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने पहले क्वार्टरफाइनल में मकाओ की चू मान सिन को 5–0 से हराकर मेडल पक्का किया था। वुशु की सांडा श्रेणी में सेमीफाइनलिस्टों का कम से कम ब्रॉन्ज मेडल पक्का हो जाता है।

एशियन गेम्स :अफगानिस्तान ने जापान को 48 रन से हराया, अरब गुल मोमंद ने लिए 4 विकेट

निशिन ,24 सितंबर ,। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में गुरुवार को खेले गए मुकाबले में अफगानिस्तान ने जापान को 48 रन से हरा दिया। जापान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 129 रन बनाए। अफगानिस्तान की तरफ से पारी की शुरुआत करने उतरे मोहम्मद अकरम ने 29 गेंदों पर 2 छक्के और 2 चौकों की मदद से 34 रन बनाए। करीम जनत ने 23 गेंदों पर 21 और कप्तान दरविश रसूली ने 27 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 29 रन की पारी खेली। आखिरी ओवरों में विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद इशाक ने 17 गेंदों पर 1 छक्का और 2 चौकों की मदद से 25 रन की पारी खेलकर टीम को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। जापान के लिए शोमा सुगाया–स्लेटर और इब्राहिम ताकाहाशी ने 2–2 विकेट लिए। थॉमस और डेविस को 1–1 विकेट मिला।130 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी जापान की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने अपना पहला विकेट शून्य के स्कोर पर खो दिया। दूसरे विकेट के लिए रियो सकुरानो–थॉमस और कप्तान फ्लेमिंग ने 31 रन की साझेदारी की। फ्लेमिंग 14 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद थॉमस और बेंजामिन डेविस के बीच तीसरे विकेट के लिए 22 रन की साझेदारी हुई। इस समय तक लग रहा था कि जापान अफगानिस्तान को टक्कर देने की स्थिति में है। लेकिन इसके बाद पूरी टीम बिखर गई। 53 रन पर तीसरा विकेट खोने वाली जापान 19. 3 ओवर में 81 रन पर सिमट गई।अफगानिस्तान ने 48 रन से जीत हासिल की।अफगानिस्तान के लिए अरब गुल मोमंद ने बेहतरीन गेंदबाजी की और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अरब ने 4 ओवर में 2 मेडन फेंकते हुए मात्र 8 रन देकर 4 विकेट लिए।

एशियन गेम्स 2026 रू भारतीय पुरुष कबड्डी टीम का विजय रथ जारी, चीनी ताइपे को हराया

नागोया 24 सितंबर। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय पुरुष कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। सेमीफाइनल का टिकट हासिल करके देश के लिए पहले ही मेडल पक्का कर चुकी भारतीय टीम ने चीनी ताइपे के खिलाफ दमदार खेल दिखाते हुए 37–21 से जीत दर्ज की। भारतीय रेडर्स मुकाबले में पूरी तरह से चीनी ताइपे के डिफेंस पर हावी नजर आए। पहले हाफ में भारतीय टीम का दबदबा देखने को मिला। पहले हाफ में ही टीम ने 23–11 की बड़ी बढ़त हासिल की। चीनी ताइपे के डिफेंडर्स पहले हाफ में भारत के रेडर्स के खिलाफ पूरी तरह से बेबस दिखाई दिए। भारतीय टीम का डिफेंस भी मुकाबले में काफी मजबूत नजर आया। दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने अपना दमदार खेल जारी रखा, हालांकि चीनी ताइपे के डिफेंस ने पहले हाफ के मुकाबले दूसरे हाफ में बेहतर खेल दिखाया। भारत ने दूसरे हाफ में कुल 14 प्वाइंट्स हासिल किए, जबकि चीनी ताइपे की टीम 10 प्वाइंट ही अर्जित कर सकी। इस जीत के साथ ही सुनील कुमार की कप्तानी में भारतीय कबड्डी टीम का एशियन गेम्स 2026 में विजय रथ जारी है।टीम ने टूर्नामेंट का आगाज जापान के खिलाफ धमाकेदार जीत के साथ किया था। इसके बाद साउथ कोरिया के खिलाफ भी भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा और उन्होंने मैच को 63–31 के बड़े अंतर से जीता। वहीं, तीसरे मैच में बांग्लादेश के खिलाफ भी टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। बांग्लादेश को 48–25 से हराने के साथ ही भारतीय टीम ने सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया और देश के लिए मेडल भी पक्का किया।

सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम की भिड़ंत थाईलैंड से होगी। भारत एशियन गेम्स के इतिहास की सबसे सफल टीम रही है। टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने कुल 9 बार हिस्सा लिया है,

हिन्दी दैनिक

जन विचार प्रवाह

जौनपुर

जौनपुर,शुक्रवार 25 सितम्बर, 2026

राज कालेज में हिंदी दिवस परववाड़ा संगोष्ठी का सफल आयोजन

जौनपुर। राजा श्री कृष्ण दत्त पी जी कॉलेज, जौनपुर में 23 सितंबर को हिंदी विभाग के तत्वावधान में हिंदी दिवस पखवाड़ा संगोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. धीरेन्द्र कुमार पटेल, सल्तनत बहादुर पी जी कॉलेज बदलापुर जौनपुर रहे। वे अपने वक्तव्य में हिंदी भाषा के उद्भव और विकास पर अपनी बात रखी, उन्होंने कहां हिंदी एक समृद्ध भाषा है क्योंकि इसमें अरबी, फारसी, उर्दू, अंग्रेजी, अपभ्रंश, संस्कृत आदि भाषाओं के शब्द संगृहीत हैं। उन्होंने हिंदी के राजभाषा बनने तक की यात्रा को विधिवत समझाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) शंभूराम ने किया, उन्होंने कहा कि हिंदीहमारी मातृभाषा है इसे बोलने में हमें गर्व का अनुभव करना चाहिए, हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं है बल्कि यह हमारी संवेदना, विचार परंपरा और अस्मिता की जीवन्त अभिव्यक्ति है।

महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ. सत्यराम प्रजापति ने हिंदी के महत्व पर अपनी बात रखी। हिंदी विभाग की अध्यक्ष प्रो. सुधा सिंह में कहा कि हिंदी भाषा देश को संपर्क सूत्र में बांधने का एक सशक्त माध्यम है। हमारा संवाद, विचार विमर्श,पठन–पाठन एवं लेखन बेहिचक हिंदी में होना चाहिए इसमें किसी प्रकार की हीन भावना से ग्रसित होने की आवश्यकता नहीं है। हिंदी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर मधु पाठक ने बताया कि हिंदी भाषा समग्र राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोने वाली भाषा है, हमारी भाषा ही हमारी पहचान है। कार्यक्रम की सहयोगी हिंदी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ रागिनी राय ने हिंदी के महात्म्य को बताते हुए कहा कि हिंदी हमारी भावना को अभिव्यक्त करने का सरलतम स्रोत है। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ रमेश चंद्र सोनी ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कर्मचारियों, छत्र – छात्राओं की उपस्थिति रही।

मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

जौनपुर । समग्र शिक्षा जिला परियोजना कार्यालय जौनपुर में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर के देख रेख में जनपद स्तरीय तीन दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम समापन के उपरांत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने तीन दिन प्रशिक्षण लिए प्रशिक्षकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया समेकित शिक्षा जिला समन्वयक शशिधर उपाध्याय ने बताया कि लखनऊ से दो प्रशिक्षक सुनीता कुशवाहा, अभयराज यादव प्रशिक्षण लेकर आए हैं जो जनपद में कार्यरत विशेष शिक्षकों को प्रशिक्षण दिए हैं यह प्रशिक्षण जनपद से आए सभी ब्लॉकों के विशेष शिक्षकों को दिया गया ये विशेष शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त अपने अपने ब्लॉकों में जाकर सहायक अध्यापकध् प्रधानाध्यापक को पाँच दिन प्रशिक्षण देने का कार्य करेंगे मौके परडॉ पी डी तिवारी व सभी ब्लाकों के विशेष शिक्षक उपस्थित रहे।

मेरे सपनों का भारत' पेंटिंग प्रतियोगिता में साक्षी ने जीता प्रथम स्थान

सिकरारा जौनपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत बीआरसी परिसर स्थित प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर के स्वामी विवेकानंद हॉल में

ब्लॉक स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर आयोजित प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा और रचनात्मक सोच का प्रदर्शन किया।

कड़े मुकाबले में प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर की कक्षा पांच की छात्रा साक्षी विश्वकर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्राथमिक विद्यालय भुइला की मानवी सिंह द्वितीय तथा कंपोजिट विद्यालय अलीगंज की नेहा प्रजापति तृतीय स्थान पर रहीं।

मुख्य अतिथि सुधाकर उपाध्याय ने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों की छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्रामीण और प्राथमिक स्तर के बच्चों को बेहतर मंच मिलने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में आज के बच्चे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।अध्यक्षता कर रहे खंड शिक्षा अधिकारी अजीत सिंह ने प्रतियोगिता में शामिल बच्चों और उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई दी। विशिष्ट अतिथि प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों के बच्चे प्रतिभा के धनी हैं, उन्हें केवल उचित मंच और मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

कार्यक्रम का संचालन पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय ने किया। समापन पर उन्होंने आगंतुकों, निर्णायक मंडल, शिक्षकों और प्रतिभागियों के प्रति आभार जताया।

इस मौके पर दिनेश उपाध्याय, राजीव सिंह लोहिया, प्रवीण सिंह, सुनील सिंह, सतीश सिंह, अनंत यादव, सुरेंद्र प्रजापति, वीरेंद्र सिंह, संदीप सिंह, प्रमोद सिंह, हरेंद्र सिंह, तेरसू राम, प्रदीप यादव, लालमनी देवी, मंजू जैसवार, नेहा जायसवाल, आराधना उपाध्याय, गजाला बानो, शुभेंदु सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रहे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अंत्योदय का अर्थ ही अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तिकी सेवाः कृपाशंकर सिंह

पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती की पूर्व संध्या पर निःशुल्क नेत्र शिविर, 500 जरूरतमंदों की हुई जांच

घ्तेजी बाजार जौनपुर। एकात्म मानववाद और श्अंत्योदयश के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती की पूर्व संध्या पर तेजी बाजार स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में परिश्रम संस्था के सहयोग से विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मल्हनी विधानसभा क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण अंचलों से पहुंचे करीब 500 जरूरतमंद मरीजों की आंखों की जांच की गई। परीक्षण के उपरांत डॉक्टरों की सलाह पर मरीजों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए, जबकि मोतियाबिंद या गंभीर समस्या से ग्रस्त मरीजों के निःशुल्क ऑपरेशन के लिए नोट किया गया।

घ्शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए उनके श्अंत्योदयश के सिद्धांत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ष्समाज के अंतिम पायदान पर खड़े गरीब, शोषित और वंचित व्यक्ति तक विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही पंडित जी को सच्ची श्रद्धांजलि है।ष् उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार की स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के शिविर उन आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए वरदान साबित होते हैं जो महंगे इलाज के कारण आंखों की जांच नहीं करा पाते।

घ्प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर जनरेटर सेट के लिए क्ड और ब्ड८ से की वार्ता

घ्कार्यक्रम के दौरान तेजी बाजार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं व विद्युत व्यवस्था का मुद्दा सामने आया। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने मौके से ही जिलाधिकारी (क्ड) से फोन पर वार्ता की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति बेहद जरूरी है ताकि मरीजों को किसी तरह की असुविधा न हो।

घ्इसके साथ ही उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (ब्डव्) गंगाराम से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए शीघ्र जनरेटर सेट उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि बिजली कटने की स्थिति में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित न हों।

घ्वाराणसी के प्रसिद्ध शंकर अस्पताल में होंगे निःशुल्क ऑपरेशनरू अजीत प्रजापति

घ्कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इतने बड़े पैमाने पर ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना अत्यंत पुण्य का कार्य है। उन्होंने घोषणा की कि शिविर में जिन भी मरीजों को ऑपरेशन की आवश्यकता पाई जाएगी, उनका ऑपरेशन वाराणसी के प्रतिष्ठित शंकर नेत्र चिकित्सालय में पूरी तरह निःशुल्क कराया जाएगा।

घ्कई गणमान्य लोग रहे मौजूद

घ्इस अवसर पर पूर्व पुलिस अध ीक्षक राममोहन सिंह, श्यामराज सिंह, डॉ. विकास सिंह, मुकेश सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (ब्डव्) गंगाराम, राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता बिंद, रानी उपाध्याय, राजेश सिंह, पीयूष गुप्ता सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जरूरतमंदों के बीच मनाया गया वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह का जन्मदिन

पौधरोपण से रक्तदान तक हुए सेवा के कार्यक्रम

जौनपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर उनके समर्थकों ने विभिन्न स्थानों पर सेवा और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए। जन्मदिन के मौके पर पौधरोपण से लेकर जरूरतमंद बच्चों, बुजुर्गों, दिव्यांग यात्रियों और मरीजों की मदद तक कई कार्यक्रम हुए। इस दौरान समर्थकों ने जरूरतमंदों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सामग्री उपलब्ध कराई और रक्तदान भी किया। कार्यक्रमों की शुरुआत टीडीएमसी स्कूल बनरहिया बाग, धर्मापुर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण से हुई। समर्थकों ने पौधे लगाए और उनकी सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी लगाए। इसके बाद समर्थक रचना विशेष विद्यालय, महंगूपुर, शीतला चौकियां धाम पहुंचे। यहां विद्यालय के बच्चों के लिए कंप्यूटर और प्रिंटर प्रदान किए गए। बच्चों के साथ केक काटकर भोजन के पैकेट भी वितरित किए गए। इसके बाद समर्थक वृद्धाश्रम, सैय्यद अलीपुर, सुक्खीपुर पहुंचे। यहां वृद्धजनों को भोजन और फल वितरित किए गए। वृद्धाश्रम के लोगों की आवागमन संबंधी आवश्यकता को देखते हुए उनके ई–रिक्शा के लिए बेहतर गुणवत्ता की बैटरी भी उपलब्ध कराई गई। सेवा कार्यक्रमों की अगली कड़ी में समर्थक सिटी स्टेशन पहुंचे। यहां वृद्ध और दिव्यांग यात्रियों की यात्रा को सरल एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से स्टेशन परिसर के लिए पांच व्हीलचेयर प्रदान की गईं। इसके बाद ईशा हॉस्पिटल में समर्थकों ने बड़ी संख्या में रक्तदान किया, ताकि जरूरतमंद मरीजों को आवश्यकता पड़ने पर आसानी से रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

हर साल जरतमंदों के बीच मनाते हैं जन्मदिन

गौरतलब है कि ज्ञान प्रकाश सिंह का जन्मदिन पूरे देशभर में मनाया जाता है, और इसे जरुरतमंदों कों समर्पित करते है, इस अवसर पर उनकी जरूरत के मुताबिक सामग्री उपलब्ध कराने के साथ सेवा कार्य किए जाते हैं। जन्मदिन के मौके पर सेवा का यह सिलसिला लगातार जारी है। ज्ञान प्रकाश सिंह का मानना है कि जरूरतमंदों के बीच अपना जन्मदिन मनाने से मन को सुकून और आनंद की अनुभूति होती है। उनका कहना है कि जब ईश्वर ने उन्हें दूसरों की मदद करने योग्य बनाया है तो गरीबों और जरूरतमंदों का सहयोग करना उनका भी कर्तव्य है। उनका उद्देश्य है कि मदद की उम्मीद लेकर उनके दरवाजे पर पहुंचने वाला कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति खाली हाथ वापस न लौटे। जन्मदिन के अलावा भी वह जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे रहते हैं। समर्थकों द्वारा आयोजित इन सेवा कार्यक्रमों में भी इसी सोच की झलक दिखाई दी, जहां अलग–अलग जरूरतों के अनुसार लोगों की मदद की गई। इस अवसर पर ज्ञान स्पोर्ट्स एकेडमी के कोच अशोक सोनकर, रमेश सिंह श्रामाश बबलू दूबे, मयंक नारायण, जेपी श्रीवास्तव, अनुराग तिवारी, आशीष द्विवेदी, पत्रकार मो. अब्बास, रिशू सिंह, शिवा सिंह, हर्ष सिंह, अजय शुक्ल, मोहम्मद अब्बास, शुभम गुप्ता, अर्जुन राय, प्रेम मिश्र, युवराज शुक्ल, रितिक रघुवंशी, शक्ति शुक्ला, सचिन सिंह, ओम सिंह, समर्थ सिंह, श्रेयस सिंह, अमर सिंह एवं अन्य लोग उपस्थित रहें।

ज्ञानप्रकाश सिंह के प्रतिनिधि रुपेश रघुवंशी ष्शिवाष ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भ्रष्टाचार और घोटाले के विरुद्ध 1872 दिनों से सत्याग्रह जारी

जौनपुर । जनपद के कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाले, भ्रष्टाचार और पत्रकार उत्पीड़न के खिलाफ चलाया जा रहा सत्याग्रह आन्दोलन 1872वेंदिन भी जारी रहा। आन्दोलनकारी यशवन्त कुमार गुप्त के नेतृत्व में 9 अगस्त 2021 से चल रहे इस अनवरत धरने के माध्यम से भूमि अधिग्रहण में हुई अनियमितताओं और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों के फर्जी निस्तारण का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाया जा रहा है। इस अवसर पर यशवन्त कुमार गुप्त ने स्पष्ट किया कि यह आन्दोलन जांच के मुख्य बिंदुओं पर अडिग है और समस्या के समाधान तक जारी रहेगा। सत्याग्रह के दौरान सिरकोनी बाजार (इजरी) में हुई भीषण डकैती के अभियुक्तों पर कड़ी कार्रवाई की मांग भी की गई। इस अवसर पर छेदीलाल साहू, बसन्त लाल मौर्य, उपेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, विजय प्रताप सिंह, सज्जन यादव, डा.ज्ञान प्रकाश सिंह, विजय प्रकाश मिश्र, लालबहादुर यादव, कैलाश नाथ प्रजापति, मेवालाल यादव, नन्दलाल रावत, उदय प्रताप सिंह, रामनगीना यादव, अमरेश कुमार पाण्ड्येय, प्रेम प्रकाश मिश्र, आदित्य नारायण शर्मा, नरेन्द्र गिरी सहित दर्जनों समर्थकों ने उपस्थित होकर आन्दोलन को अपना समर्थन दिया।

पीडीए जनपंचायत में सामाजिक न्याय और समान भागीदारी पर जोर

नेताओं ने गांव-गांव संवाद मजबूत करने का लिया संकल्प

जौनपुर। मल्हनी विधानसभा क्षेत्र के शंभूगंज में समाजवादी पार्टी की ओर से पीडीए जनपंचायत एवं जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय, समान भागीदारी और पीडीए समाज से जुड़े मुद्दों पर नेताओं व कार्यकर्ताओं ने विचार रखे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री रमेश कुमार प्रजापति ने कहा कि उन्हें सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के संदेश के साथ पीडीए समाज के बीच संवाद के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी सामाजिक न्याय, अधिकार और सम्मान के मुद्दों को लेकर पीडीए समाज के बीच संवाद को आगे बढ़ा रही है।मल्हनी विधायक लकी यादव ने कहा कि उनके परिवार का समाजवादी पार्टी से दशकों पुराना संबंध है। उनके पिता स्वर्गीय पारसनाथ यादव ने समाजवादी विचारधारा के साथ सर्वसमाज की आवाज उठाने का काम किया। उन्होंने कहा कि पीडीए जनपंचायत के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संवाद को मजबूत किया जाएगा।पूर्व मंत्री रमेश कुमार प्रजापति ने आगामी विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि सपा की सरकार बनने पर पीडीए समाज को न्याय और उचित प्रतिनिधित्व दिलाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सामाजिक न्याय और अधिकारों का संदेश गांव–गांव तक पहुंचाने की बात कही।कार्यक्रम में सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, पूर्व विध ायक लाल बहादुर यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, जिला महासचिव आरिफ हबीब, निजामुद्दीन अंसारी, केशजीत यादव, श्याम नारायण बिंद, रामजश यादव, रामधारी पाल, हाजी सुल्तान, रमेश प्रजापति सहित बड़ी संख्या में पदाध िकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और सामाजिक न्याय व समान भागीदारी के मुद्दों पर लगातार संवाद जारी रखने पर जोर दिया गया।

आगामी हड़ताल के संदर्भ में यूनियन बैंक की तैयारी

जौनपुर। पांच दिवसीय कार्य दिवस की मांग को लेकर आगामी तीन दिवसीय बैंक हड़ताल के संबंध में यूनियन बैंक के रीजनल मैनेजर संतोष कुमार ने हड़ताल के दौरान मिलने वाली सुविधाओं के बारे में प्रेस वार्ता करके विशेष जानकारी दी। आम जनता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए संतोष कुमार ने आगामी 28,29और 30 सितंबर को ग्राहकों के लिए जरूरी सेवाओं के जारी रहने की जानकारी दी है। इस दौरान एटीएम और बी सी केंद्र सकुशल संचालित रहेंगे,एटीएम में नकदी की उपलब्धता सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश की जाएगी। मोबाइल बैंकिंग एवं इंटरनेट बैंकिंग की सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी।

जय मां शारदा।

शुक्ला मैरिज हाल

मिर्जापुर रोड मरियाहू रोड जौनपुर

वृंदावन पैलेस एवं मैरिज हाल शादी विवाह इंगेजमेंट बर्थडे पार्टी मीटिंग एवं अन्य शुभ अवसरों के लिए संपर्क करें एक बार सेवा का अवसर दीजिए

जयेंद्र कुमार शुक्ला मुन्ना शुक्ला

(प्रोपराइटर)

मो.न. 9838998491, 9793787559, 8840610896

नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) जौनपुर।

वाद सं0–963ध्2025

नरेन्द्र कुमार–बनाम–पन्नालाल

1.पन्नालाल 2.फौजदार 3. तालुकदार 4.जमादार 5.महंथराम पुत्रगण रामदुलार 6.मु0 शान्ती बेवा जिमीदार 7.रवी 8.रोहित पुत्रगण जिमीदार 9.आशीष 10.अशोक 11. अरूण 12.अजय पुत्रगण नीबूलाल 13.रामलाल 14.श्यामलाल 15. रामराज 16.विराज सा0मौ0 चकदोस्त जमालपुर पर0 व तह0 मड़ियाहूँ जिला जौनपुर पिन कोड–222161

ता0पेशी–16.11.2026 आपत्ति व निस्तारण

चूंकि उपर नामांकित ने इस न्यायालय मे आवेदन किया है अतएव आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ आपत्ति करने के लिये दिनांक 16.11.2026 आपत्ति व निस्तारण दिवस का अपरान्ह स्वयं या सम्पर्क रूपेण अपने अधिवक्ता व्दारा हाजिर हो। ऐसा करने मे असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय सुना और अवधारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित दिवस 2026ई0 को निकाली गयी।

आज्ञा से

सिविल जज (सी0डि0) जौनपुर।

सम्मन

सम्मन वास्ते करारदाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) जौनपुर।

वाद सं0–207ध्2026

फिरोज खॉ–बनाम–फहीम

1.फहीम 2.नदीम 3.अजीम पुत्रगण स्व0 अब्दुल्ला 4. जफरूददीन पुत्र कयामुददीन सा0मौ0 गदन अर्जानी पर0 हवेली तह0 सदर जिला जौनपुर।

ता0पेशी–19.10.2026 जवाबदेही व तनकीह

हरगाह ने आपके नाम एक नालिश बावतके दायरकी है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 19.10.2026 जवाबदेही व तनकीह बवक्त बजे अदालत या मारफत अपने वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई वाकिब हो और कुल उमूरात अहम मुतलिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शक्स जवाब ऐसे सवालात का देने को हाजिर हो और जवाबदेही दावा को करे और दरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिए मुकर्रर है के बावत इनफिसाल कतई मुकदमा तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि आप उसी रोज जुमला दस्तावेज की जिनकी आप अपनी जवाबदेही के साथ इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मुकर्रर आप और हाजिरी आपके मजयून और फैसला,बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज दिनांक माह सन 2026ई0 को जारी किया गया।

आज्ञा से

सिविल जज (सी0डि0) जौनपुर।

.सम्मन

सम्मन वास्ते करारदाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय सिविल जज जू0डि0 शाहगंज जौनपुर।

वाद सं0–243 / 2026

हरिश्चन्द–बनाम–समारू

1.समारू 2.फिरतू पुत्रगण खुद्दीराम 3.विनोद कुमार 4.प्रमोद कुमार 5.मनोज कुमार पुत्रगण राजाराम 6.साहबलाल पुत्र फिरन्ती 7.मयाराम 8.दयाराम पुत्रगण झिंगई 9.कृष्ण कुमार पुत्र बेचन 10.शिवराम 11.जालन्धर 12.प्रहलाद 13.सोचन पुत्रगण मंगरू 14.रमेश 15.राकेश 16.दुर्गेश पुत्रगण समारू 17.अरविन्द पुत्र फिरतू सा0मौ0 बड़ागॉव पर0 अंगुली तह0 शाहगंज जिला जौनपुर।

ता0पेशी–30.10.2026 जवाबदेही व तनकीह

हरगाह ने आपके नाम एक नालिश बावतके दायरकी है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 30.10.2026 जवाबदेही व तनकीह बवक्त बजे अदालत या मारफत अपने वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई वाकिब हो और कुल उमूरात अहम मुतलिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शक्स जवाब ऐसे सवालात का देने को हाजिर हो और जवाबदेही दावा को करे और दरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिए मुकर्रर है के बावत इनफिसाल कतई मुकदमा तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि आप उसी रोज जुमला दस्तावेज की जिनकी आप अपनी जवाबदेही के साथ इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मुकर्रर आप और हाजिरी आपके मजयून और फैसला,बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज दिनांक माह सन 2026ई0 को जारी किया गया।

आज्ञा से

सिविल जज जू0डि0 शाहगंज जौनपुर।

सम्मन

सम्मन वास्ते करारदाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) जौनपुर।

वाद सं0–963 / 2025

नरेन्द्र कुमार–बनाम–पन्नालाल

1.पन्नालाल 2.फौजदार 3. तालुकदार 4.जमादार 5.महंथराम पुत्रगण रामदुलार 6.मु0 शान्ती बेवा जिमीदार 7.रवी 8.रोहित पुत्रगण जिमीदार 9.आशीष 10.अशोक 11. अरूण 12.अजय पुत्रगण नीबूलाल 13.रामलाल 14.श्यामलाल 15. रामराज 16.विराज 17.आशा देवी पत्नी सुरेन्द्र कुमार सा0मौ0 चकदोस्त जमालपुर पर0 व तह0 मड़ियाहूँ जिला जौनपुर पिन कोड–222161

ता0पेशी–16.11.2026 जवाबदेही व तनकीह

हरगाह ने आपके नाम एक नालिश बावतके दायरकी है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16.11.2026 जवाबदेही व तनकीह बवक्त बजे अदालत या मारफत अपने वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई वाकिब हो और कुल उमूरात अहम मुतलिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शक्स जवाब ऐसे सवालात का देने को हाजिर हो और जवाबदेही दावा को करे और दरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिए मुकर्रर है के बावत इनफिसाल कतई मुकदमा तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि आप उसी रोज जुमला दस्तावेज की जिनकी आप अपनी जवाबदेही के साथ इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मुकर्रर आप और हाजिरी आपके मजयून और फैसला,बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज दिनांक माह सन 2026ई0 को जारी किया गया।

आज्ञा से

सिविल जज (सी0डि0) जौनपुर।

स्वामी मुद्रक ,संपादक विजय प्रकाश मिश्र,प्रकाशक कुसुम देवी द्वारा नारायण आफसेट प्रेस14/511मुराद अली लेन नई बस्ती हुसेनगंज लखनऊ उ0प्र0 से छपवाकर राजा सिंगरामऊ कोठी ओलन्दगंज जौनपुर, उ0प्र0 से प्रकाशित । मो 7376885230 EMAIL: janvicharjnp@gmail.com RNI No. UPHIN/2009/27689